वैशाख कृष्ण पक्ष- 3, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 269 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

05 अप्रैल 2026 रविवार

आज का मौसम

36.6 अधिकतम

21.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

जवानी के 26 वें साल में छत्तीसगढ़... लिखी जा रही विकास की नई कहानी

रायपुर से लौटकर राजेश सिरोठिया

एक नवंबर 2000 को मध्यप्रदेश के अलग होकर एक नए राज्य का आकार लेने वाला छत्तीसगढ़ अब अपनी जवानी के 26 वें साल में प्रवेश कर चुका है। इसके बनने से लेकर अब तक के विकास की दास्तां को बयां करना दिलचस्प है। नक्सलवाद की समस्या के विकराल

नई ऊंचाई छूता धान का कटोरा पार्ट - 1

स्वरूप का सामना कर चुके इस राज्य ने अपनी तस्वीर बदलने की नई इबारत गढ़ी है। माओवाद के खात्मे के कहानी और उसके अभी तक अनछुए रहे कई पहलुओं को दोपहर मेट्रो अखबार और उसके डिजिटल ब्रांड यानि 'डीएम डिजिटल' यू - ट्यूब चैनल के जरिए आपको बता और दिखा ही चुका हूं। लेकिन इसके साथ ही नए नवेले राज्य की तस्वीर पेश करने की कोशिश होगी। यह सब कैसे हुआ इसकी बानगी रायपुर से ही शुरू करते हैं।

नईदुनिया के विशेष संवाददाता के रूप में यूं तो 1990 के दौर से ही यहां कवरेज करता रहा हूं। नए राज्य के गठन के दौरान दस दिनों तक रायपुर में रहकर उसके

नया रायपुर

बनने की कहानी भी पहले बयां की। आउटलुक पत्रिका के मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के ब्यूरो प्रमुख होने के नाते भी शुरूआती दौर की राजनीतिक उथलपुथल से लेकर उसके बाद की कहानी को नजदीक से देखा था। आज भी गौर करने पर एक झटके में सारी यादें ताजा हो जाती हैं। मुझे याद है जब रायपुर राज्य की राजधानी बनी तब भी यह शहर एक व्यापारिक नगर तो था ही। व्यापार के लिए कोलकाता से सीधे जुड़ा हुआ। बिल्कुल उसी तरह जैसे मप्र की आर्थिक राजधानी इंदौर के तार सीधे मुंबई और अहमदाबाद से जुड़ते हैं। हालांकि रायपुर, इंदौर के मुकाबले एक कस्बाई मानसिकता से भरा बड़ा शहर था। सड़कों पर आवागमन एक ठिठके रायपुर की दास्तां बयां करता था। लेकिन 2004 के बाद इसके विकास ने जो रफ्तार पकड़ी तो उसने बीस सालों में ही 1956 में बने मध्यप्रदेश को काफी पीछे छोड़ दिया।

भारत सरकार के संस्थान प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो यानि पीआईबी के सौजन्य से पत्रकारों की टोली के साथ हुए दौरे में हमने बस्तर से लेकर रायपुर और बिलासपुर का दौरा किया। इसमें सूबे की तस्वीर बिल्कुल बदलती दिखाई दी। पीआईबी के संयुक्त निदेशक मनीष गौतम (जो खुद छत्तीसगढ़ के मूल निवासी हैं) ने छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार के विकास की गाथा कवर करने के लिए पांच दिनी यात्रा का ऑफर दिया तो मैं मना नहीं कर सका। बहरहाल, बदलते और दिनों दिन जवां होते छत्तीसगढ़ के विकास का अहसास विमानतल पर उतरते ही होने लगता है। मजबूत और चौड़ी सड़कों से लेकर मजबूत रेल और हवाई कनेक्टिविटी के मामले मे यह मप्र की राजधानी भोपाल से काफी आगे निकल चुका है। रायपुर विमानतल से हर रोज पचास से साठ तक यात्री विमान रोज उड़ान भरते हैं, जबकि भोपाल में यह आंकड़ा बीस के आसपास ठिठका हुआ है। भोपाल में हर साल नए शहरों को जोड़ने वाली फ्लाइट शुरू होती हैं और इनमें कितनी, कब बंद हो जाती हैं, इसका अदाजा लगा पाना भी मुश्किल होता है। हां इदौर की बात अलग है जिसने मप्र के भोपाल सहित सभी नगरों को बीते तीन दशकों में मीलों पीछे छोड़ा है। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन का भी बहुआयामी विकास हुआ है। छत्तीसगढ़ में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया का भिलाई स्टील प्लांट तो नया राज्य बनने के पहले ही आकार ले चुका था। एनएमडीसी (नेशनल मिनिरल डेव्लपमेंट कारपोरेशन) ने जगदलपुर के पास बस्तर में ठेठ नक्सल प्रभावित इलाके में नेशनल स्टील प्लांट मात्र सात साल में स्थापित किया तो बिलासपुर के सीपत में नेशनल थर्मल पॉवर प्लांट कारपोरेशन (एनटीपीसी) की इकाई ने तेरह साल में बड़ा आकार लिया। अगले दो - तीन सालों में इसकी गिनती देश में 80 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन करने वाले एनटीपीसी संयंत्रों में शीर्ष तीसरे नंबर पर होने लगेगी।

(जारी)

किसानों की कमाई का नया रास्ता....

धान का कटोरे कहे जाने वाले इस राज्य के कोंडागाव इलाके में भारत सरकार ने सौ एकड़ में नारियल के उत्पादन की राह दिखाकर वहां के किसानों को कमाई का नया रास्ता दिखाया है। नक्सलवाद के थमते ही भारत के सबसे बड़े जल प्रपात यानि चित्रकोट की छटा भी निराली दिखती है। यह इंद्रावती नदी का हिस्सा है। इसे भारत का नियाग्रा कहा जाता है क्योंकि इसका आकार-प्रकार अमेरिका और कनाडा की सरहद को बांटते विश्व के सबसे बड़े वाटरफॉल यानि नियाग्रा से काफी मिलती जुलती है। फिर जगदलपुर के आगे तीरथगढ़ जल प्रपात भी है। हम पीआईबी के सहायक निदेशक पराग मांडले की अगुआई में जगदलपुर के पीआईबी अफसर भीकम सिंह ध्रुव के साथ कुख्यात हो चुके झीरम घाटी क्षेत्र में भी पहुंचे। इससे सटे सुदूरवर्ती जंगली इलाके में विलुप्ति की कगार पर खड़े आदिवासी ध्रुव समुदाय से जुड़े से जुड़े मनीष सिंह बघेल मिले जिन्होंने स्नातक तक पढ़ाई की है। घने जंगलों के बीच उन्होंने अपनी पत्नी रूक्मणी के साथ मिलकर होम स्टे जैसा आदिवासी हट बनाकर अपने रोजगार का जरिया तलाशा है। आसपास के लोगों को भी उन्होंने रोजगार मुहैया कराया है। इन तमाम पहलुओं पर चर्चा अगले अंकों में होगी।

हैदराबाद-लखनऊ, समय : दोप. 3.30 बजे

न्यूज विंडो

बेंगलुरु-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट में बम की अफवाह

बेंगलुरु। केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में बम होने की खबर मिली। इसके बाद फ्लाइट को तुरंत खाली करा लिया गया। यह घटना शनिवार शाम करीब 7:00 बजे हुई, जब फ्लाइट का स्टाफ उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, एक यात्री ने केबिन क्रू को तब अलर्ट किया, जब उसे फ्लाइट के वॉशरूम में एक टिशू पेपर मिला, जिस पर लिखा था कि फ्लाइट में कोई विस्फोटक चीज रखी है।
ये जानकारी सामने आते ही फ्लाइट में हड़कंप मच गया।

पेट्रोल की जगह भर दिया पानी, 20 वाहन खराब

नईदिल्ली। ग्रेटर नोएडा में एक पेट्रोल पंप पर गाड़ियों में पेट्रोल की जगह पानी भर जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के कारण करीब 20 वाहन खराब हो गए, जिसके बाद ग्राहकों ने जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। यह घटना बीटा 2 थाना क्षेत्र के सेक्टर पाई वन स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर शनिवार दोपहर को हुई। कई लोग अपनी गाड़ियों और मोटरसाइकिलों में पेट्रोल भरवाकर वहां से निकले, लेकिन कुछ ही दूरी पर जाकर उनके वाहन अचानक बंद पड़ गए। वाहन खराब होने के बाद ग्राहक वापस पेट्रोल पंप पर लौटे और कर्मचारियों व मैनेजर से शिकायत की।

रोहतांग-शिंकुला में आधा फीट ताजा हिमपात

शिमला। प्रदेश की ऊंची चोटियों बारालाचा, शिंकुला और रोहतांग में आधा फीट ताजा हिमपात हुआ है। गोंधला में 13 सेंटीमीटर बर्फ गिरी। शिमला के टुटू सहित ठियोग, कुफरी सहित कुछ अन्य स्थानों पर आंधी के साथ ओलावृष्टि हुई। इसके कारण सेब सहित सब्जियों को नुकसान हुआ है। धर्मशाला में 40, शिमला के सराहन में 34, मनाली में 26, सुंदरनगर में 24, कल्पा में 20 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

आज का कार्टून

प्रतिष्ठा का सवाल... लड़ाकू विमान गिराए जाने के बाद लापता हो गए थे कर्नल रैंक के अधिकारी

भीषण गोलीबारी के बीच अमेरिका ने अपने एयरमैन को ईरान से निकाला

- सबसे घातक हथियारों से लैस दर्जनों विमान भेजे गए
- हेलीकॉप्टर्स पर लगातार चलती रहीं गोलियां
- एयरमैन ने पहाड़ी इलाके में छिपकर बिताए दो दिन

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिकी सेना ने बेहद खतरनाक हालात में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर भारी गोलीबारी के बीच अपने क्रू मेंबर एयरमैन को ईरान से निकाल लिया। अमेरिका के लिए सिर्फ ये ऑपरेशन नहीं बल्कि उसकी प्रतिष्ठा का सवाल था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी पुष्टि की है। इसके पहले कतर के मीडिया आउटलेट अल-जजीरा ने अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि उसे बचाने के दौरान ईरानी बलों के साथ भारी गोलीबारी हुई है।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि यह अधिकारी एक कर्नल थे, जो एफ-15 ई लड़ाकू विमान गिराए जाने के बाद लापता हो गए थे। उन्होंने कहा, हमने उसे बचा लिया। पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने अपने इतिहास के सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशनों में से एक को अंजाम दिया। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक एयरमैन ईरान के पहाड़ी इलाके में करीब दो दिन तक छिपकर रहा। उसने अपने सर्वाइवल गियर, जीपीएस ट्रैकर, बीकन और एन्क्रिप्टेड रेडियो के जरिए अमेरिकी सेना से संपर्क बनाए रखा। इससे

फाइल

उसकी लोकेशन ट्रैक कर रेस्क्यू प्लान किया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन रात के अंधेरे में किया गया, जिसमें कई एयरक्राफ्ट और स्पेशल फोर्स शामिल थीं। ऑपरेशन के दौरान फायरिंग भी हुई। स्पेशल पैरारेस्क्यू यूनिट्स ने दुश्मन इलाके में घुसकर एयरमैन को सुरक्षित बाहर निकाला। ट्रम्प ने लिखा हमने उसे बचा लिया! अमेरिकी इतिहास के सबसे साहसी खोज और बचाव अभियानों में से एक को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि ईरानी सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को अमेरिकी एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल एयरक्राफ्ट को सेंट्रल ईरान के ऊपर मार गिराया था। लड़ाकू विमान में दोनों क्रू सुरक्षित इजेक्ट कर गए थे। एक पायलट को अमेरिकी बलों ने उसी दिन सुरक्षित निकाल लिया था। वहीं, दूसरे एयरमेन तलाश में ऑपरेशन चलाया जा रहा था। ट्रंप ने आगे बताया कि अमेरिकी सेना एयरमेन की लोकेशन पर दिन-रात 24 घंटे नजर रख रही थी। उन्हें वापस लाने के लिए दुनिया के सबसे घातक हथियारों से लैस दर्जनों विमान भेजे गए थे। वापस लाए गए क्रू मेंबर को चोटें आई हैं, लेकिन वे पूरी तरह ठीक हो जाएंगे। इस ऑपरेशन में अमेरिका ने अपनी बड़ी ताकत झोंक दी थी। इस दौरान कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें ईरानी पुलिस अमेरिकी हेलीकॉप्टर्स पर ताबड़तोड़ गोलीबारी कर रही है और वे इससे बचते हुए अपने साथी को ढूंढकर वापस लाने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

अमेरिका नहीं चाहता था कि किसी भी हालत में उसके जिंदा पायलट को ईरान की सेना पकड़े। यही वजह है कि इस ऑपरेशन में अमेरिका के 100 कमांडर लगाए गए, जो 12 हेलीकॉप्टर के जरिये उस इलाके पर नजरें गड़ाए थे, जहां लड़ाकू विमान गिरा था।

स्वास्थ्य-पर्यावरण में कटौती कर रक्षा बजट 42 फीसदी बढ़ाना चाहते हैं ट्रम्प

ईरान युद्ध में फंसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगले साल के लिए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के भारी-भरकम रक्षा बजट की मांग की है। यह पिछले साल के रक्षा बजट के मुकाबले 42 फीसदी ज्यादा है। इसकी भरपाई के लिए कई जरूरी खर्च में कटौती करने का प्रस्ताव है। इसमें स्वास्थ्य, आवास और पर्यावरण जैसे घरेलू कार्यक्रम शामिल हैं जिनमे लगभग 10 फ़ीसदी तक कमी आएगी। इसे सरकार फिजूलखर्ची मानती है। पेंटागन के खर्च में दूसरे विश्वयुद्ध के बाद यह सबसे बड़ी बढ़ोतरी होगी। प्रस्ताव मंजूर हुआ तो स्वास्थ्य एवं मानवीय सेवाओं की फंडिंग करीब 12,5 फ़ीसदी काम हो जाएगी। इसी तरह आवास और शहरी विकास में 13 प्रतिशत कम फंडिंग होगी। समझा जा रहा है कि यह प्रस्ताव ट्रम्प के समर्थकों को भी नाराज कर सकता है।

ओडिशा में बढ़ा आरक्षण का दायरा

एससी-एसटी और ओबीसी छात्रों को मिलेगा अधिक लाभ

भुवनेश्वर, एजेंसी

ओडिशा सरकार ने अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) के लिए चिकित्सा और तकनीकी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण के कोटे में वृद्धि की है। यह फैसला शनिवार को मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि एसटी छात्रों के लिए कोटा 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 22.50 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह एससी छात्रों के लिए आरक्षण आठ प्रतिशत से बढ़ाकर 16.25 प्रतिशत किया गया है। ओडिशा में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) के रूप में पहचाने जाने वाले ओबीसी छात्रों के लिए राज्य सरकार ने 11.25 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है।

सबरीमाला मामले में 7 अप्रैल से होगी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट की 9 सदस्यीय संविधान पीठ केरल के सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धर्मों में और धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से संबंधित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई 7 अप्रैल से शुरू करेगी। कोर्ट की 7 अप्रैल की वाद सूची के अनुसार नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ में प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति आगस्टीन जार्ज मसीह, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले, न्यायमूर्ति आर महादेवन शामिल होंगे। सितंबर 2018 में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए उस प्रतिबंध को हटा दिया था जो 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं को केरलम के सबरीमाला स्थित अय्यप्पा मंदिर में प्रवेश करने से रोकता था।

नए वीडियो में राघव चड्ढा बोले- यह सिर्फ छोटा ट्रेलर... पिक्चर अभी बाकी

नईदिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाने के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं और राघव चढ्ढा के बीच बहस तेज हो गई है। अब राघव चड्ढा ने एक नया वीडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि यह एक छोटा सा ट्रेलर है... पिक्चर अभी बाकी है। राघव चड्ढा ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि यह पार्टी में मेरे साथियों के लिए है। जिन्होंने यह कहा कि राघव चड्ढा पार्लियामेंट में पंजाब के मुद्दे उठाने में नाकाम रहे। यह एक छोटा सा ट्रेलर है...पिक्चर अभी बाकी है। चड्ढा ने वीडियो संदेश जारी कर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सवालों का न केवल जवाब दिया, बल्कि निष्ठा पर सवाल उठाने वालों को 'घातक' चेतावनी भी दी है।

अनूपपुर लॉज हादसे में तीसरा शव मिला, रेस्क्यू जारी

100 से ज्यादा लोगों की टीम सर्चिंग में जुटी, अब भी लोगों के दबे होने की आशंका

अनूपपुर, दोपहर मेट्रो

अनूपपुर लॉज हादसे में आज सुबह करीब 11 बजे एक महिला का शव मिला। इसके साथ ही अब मृतकों की संख्या तीन हो गई है। अभी महिला की पहचान नहीं हुई है। रेस्क्यू अभी भी जारी है। अनूपपुर जिले के कोतमा बस स्टैंड के पास शनिवार शाम अग्रवाल लॉज की तीन मंजिला इमारत ढह गई थी। हादसे में हनुमान दीन यादव (55) और इनके साले राम कृपाल यादव (40) की मौत हो गई थी, जबकि तीन लोग घायल

हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, लोकल समेत 100 से ज्यादा लोग मलबा हटाने में जुटे हैं। वहीं सर्चिंग के लिए भिलाई और बनारस से भी टीमें बुलाई गई हैं।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बिल्डिंग गड्ढे की ओर झुककर गिरी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि पास में निर्माण के लिए करीब 12 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया था, जिसमें पानी भरने से नींव कमजोर हो सकती है। निर्माण की अनुमति को लेकर भी सवाल उठे हैं। नगर पालिका का कहना है कि दस्तावेज देखने के बाद ही स्थिति साफ होगी।

पैड वुमन रोजगार और जागरुकता का केंद्र बनी मंदिर परिसर में चल रही सेनेटरी पैड बनाने की यूनिट

डायन कहकर लोगों ने गांव से निकाला, अब चला रहीं पैड का कारोबार

वडोदरा. एजेंसी

कहते हैं जब जिंदगी में मुश्किलें आती हैं तो सफलता के रास्ते भी खुलने लगते हैं। यह एक ऐसी ही महिला की कहानी है जिन्हें डायन कहकर लोगों ने घर और गांव से बाहर निकाल दिया था। इसके बाद शांति राठवा ने वह कमाल कर दिया जिसे जानकर आज उस गांव के लोग हैरान हैं। वे आज अपने दम पर न सिर्फ सम्मानजनक जीवन जी रही हैं, बल्कि कई महिलाओं के लिए प्रेरणा भी बन चुकी है।

दाहोद जिले के चौपट पल्लि गांव में मंदिर परिसर के भीतर चल रहा उनका सेनेटरी पैड बनाने का छोटा यूनिट अब रोजगार और जागरूकता का बड़ा केंद्र बन गया है। करीब 12 साल पहले शांति राठवा को उनके ही परिवार और गांव वालों ने डायन

बताकर बुरी तरह पीटा और गांव से निकाल दिया था। बेघर हुई शांति ने कुछ दिन सड़क पर गुजारे। फिर एक धार्मिक संस्थान में उन्हें सहारा मिला। यही से उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया। इसी दौरान उनकी मुलाकात स्वाति बेडेकर से हुई, जो महिलाओं को सेनेटरी पैड बनाना सिखाती है। शुरुआत में झिझक रही शांति ने हिम्मत जुटाई और इस काम को सीख लिया। हालांकि, सातवीं तक पढ़ी शांति के लिए रास्ता आसान नहीं था। गांव वालों ने उन्हें जमीन तक देने से मना कर दिया। ऐसे में हनुमान मंदिर के पुजारी ने उन्हे मंदिर परिसर में यूनिट लगाने की अनुमति दी।

शुरुआत में लोग पत्थर फेंकते थे: शुरुआत में विरोध इतना था कि लोग पत्थर तक फेंकते थे। महिलाएं भी डर के कारण नहीं आती थी। लेकिन शांति ने अकेले ही काम शुरू रखा। सरकारी योजना से मदद मिलने पर उन्होंने मशीन खरीदी, धीरे-धीरे काम आगे बढ़ाया। कुछ समय बाद अन्य महिलाएं भी जुड़ने लगी। आज उनके यूनिट में 20 महिलाएं काम कर रही है और रोज करीब 2,000 सेनेटरी पैड तैयार किए जाते हैं।

15 गांवों में पहुंच रहे पैड

उनके द्वारा बनाए गए पैड आसपास के गांवो, आंगनवाड़ी केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सप्लाई किए जाते हैं। शांति ने कुछ लड़कियों को मार्केटिंग के लिए भी जोड़ा है, जिससे ऑर्डर लगातार बढ़ रहे हैं। उनके उत्पाद अब 15 गांवों में पहुंच रहे है और वे जल्द ही काम का विस्तार करने की तैयारी में है। इतना ही नहीं, शाति अब अंधविश्वास के खिलाफ भी आवाज उठा रही है। वे गांव-गांव जाकर अपनी कहानी सुनाती है और डायन प्रथा जैसी कुरीतियों के खिलाफ जागरूक करती है।

बुकिंग के बाद अब एसएमएस से मिलेगी सिलिंडर डिलीवरी की डेट

तीन महीने में पीएनजी कनेक्शन न लेने वाले उपभोक्ताओं को नहीं दी जाएगी एलपीजी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एलपीजी बुकिंग करने के बाद कितने दिन में सिलिंडर की डिलीवरी होगी, यह उपभोक्ताओं को एसएमएस भेजकर कंपनियों को बताना पड़ेगा। यह निर्देश राज्य शासन के अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) संस्थाओं और आयल कंपनियों के प्रतिनिधियों व जिला आपूर्ति अधिकारियों को दिए हैं।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उन्होंने कहा कि शहर के जिन स्थानों में पीएनजी पाइप-लाइन गई है, उसके आसपास के क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को ऑयल कंपनी द्वारा अवगत कराया गया है कि वह पीएनजी कनेक्शन प्राप्त करने के लिए तत्काल आवेदन करें। इसके बाद भी जो उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन प्राप्त नहीं करें तो आगामी तीन माह में एलपीजी का कनेक्शन बंद किया जा सकता है। पीएनजी कनेक्शन के लिए उन्होंने सीजीडी संस्थाओं को शिविर लगाने को भी कहा। उन्होंने कहा कि पीएनजी पाइप लाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, वहां आवासीय परिसर, स्कूल, हॉस्टल, कॉलेज, कम्युनिटी किचन और आंगनवाड़ी केंद्रों को आवेदन प्राप्त होने के पांच दिन में पीएनजी

कनेक्शन उपलब्ध कराएं। पीएनजी कनेक्शन की प्रगति की निगरानी के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर, एडीएम, जिला आपूर्ति अधिकारी और संबंधित सीजीडी संस्थाओं के अधिकारी समीक्षा करेंगे।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि सभी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) संस्थाएं अगले तीन माह में दिए जाने वाले पीएनजी कनेक्शन का लक्ष्य निर्धारित करें। इसके साथ ही सीजीडी संस्थाओं द्वारा प्रतिदिन किए जा रहे आवेदन एवं उसके विरुद्ध दिए जा रहे पीएनजी कनेक्शन की सतत निगरानी की जाए। एसीएस शमी ने कहा कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक 2593 स्थानों पर जांच कर नौ मामलों में एफआईआर की गई है। 583 पेट्रोल पंपों की जांच में दो मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है।

10 आरओयू आवेदनों की 24 घंटे के अंदर स्वीकृति

केंद्र सरकार के निर्देशानुसार पीएनजी कनेक्शन प्रदाय करने के लिए पांच विभागों नगरीय प्रशासन एवं विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक निर्माण एवं मप्र औद्योगिक विकास निगम द्वारा सीजीडी संस्थाओं को उनके आवेदन करने के 24 घंटे में पाइप-लाइन बिछाने की आरओयू अनुमति देने के आदेश जारी किए गए हैं। विभाग द्वारा 10 आरओयू आवेदनों की 24 घंटे के अंदर स्वीकृति जारी की गई है।

पॉलिटेक्निक, आइटीआई से प्रशिक्षणार्थियों की सूची सीजीडी संस्था को उपलब्ध कराए: एसीएस शमी ने जिला आपूर्ति अधिकारियों को एमपीआइडीसी के जिला अधिकारी, जिले में पॉलिटेक्निक तथा आइटीआई से प्रशिक्षणार्थियों की सूची सीजीडी संस्था को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। सीजीडी संस्था द्वारा इन प्रशिक्षणार्थियों को वर्तमान वेंडर के साथ क्लब कर मैन पावर बढ़ाया जाएगा।

अभिभावक परेशान

कक्षा 9वीं का बदला पूरा सिलेबस

नहीं मिल रही एनसीईआरटी की किताबें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही स्कूलों में पढ़ाई शुरू हो गई है, लेकिन बाजार में एनसीईआरटी की किताबों की कमी ने अभिभावकों और विद्यार्थियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खासतौर पर गणित, विज्ञान और हिंदी जैसे मुख्य विषयों की किताबें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। इससे पढ़ाई की शुरुआत प्रभावित हो रही है। वहीं कक्षा एक से आठवीं और नौवीं तक की पुस्तकों में बदलाव किए गए हैं। इसमें नौवीं कक्षा के सभी विषयों की किताबों में बदलाव किया गया है।

बाजार में नौवीं कक्षा की एनसीईआरटी की किताबें नहीं मिल रही है। इस कारण अभिभावक निजी प्रकाशकों की किताबें लेने के लिए मजबूर हैं। नौवीं कक्षा की एनसीईआरटी की किताबें अभी तैयार की जा रही हैं, जिन्हें इस सत्र से लागू किया जाएगा। राजधानी के बुक डिपो संचालकों का कहना है कि नौवीं की एनसीईआरटी की किताबें अभी आई नहीं है, क्योंकि इसके पाठ्यक्रम में व्यापक बदलाव किए गए हैं। उनका कहना है कि अभी नई किताबें आने में 15 से 20 दिन लगेंगे।

नौवीं में तीन हिस्सों में किया गया है बदलाव

नौवीं के सिलेबस को अब तीन हिस्सों में बांटा गया है। इसमें भाषा और संवाद कौशल, कोर विषय (गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान) कौशल आधारित विषय शामिल है। सामाजिक विज्ञान को भी अब इंटीग्रेटेड रूप में पढ़ाया जाएगा। पहले जहां इतिहास, भूगोल, राजनीति और अर्थशास्त्र अलग-अलग विषय थे, वहीं अब इन्हें एक साथ जोड़ा गया है। नए पाठ्यक्रम में भारतीय इतिहास और ज्ञान परंपरा को प्रमुखता दी गई है।

निजी प्रकाशकों की किताबें बनी मजबूरी

एनसीईआरटी की किताबें जहां 50 से 60 रुपये तक में मिलती हैं। वहीं निजी प्रकाशकों की किताबें 300 से 400 रुपये तक बिक रही हैं। उदाहरण के तौर पर, जहां एनसीईआरटी की पांच किताबें 300 से 400 रुपये में तो निजी प्रकाशकों की किताबों का सेट तीन से चार हजार रुपये तक पहुंच रहा है। बाजार में नकली किताबें मिलने की शिकायत मिल रही है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

क्रिप्टो निवेश के नाम पर 2.80 लाख की ठगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कमला नगर इलाके में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है, जहां क्रिप्टो करेंसी में निवेश का लालच देकर एक बैंककर्मी से 2.80 लाख रुपए ठग लिए गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक नेहरू नगर निवासी 38 वर्षीय राहुल सोनाने को 4 मार्च को एक संदिग्ध मोबाइल ऐप का लिंक मिला। लिंक के जरिए ऐप डाउनलोड करने पर उसमें कम निवेश में ज्यादा मुनाफे का लालच दिया गया। ऐप में दावा किया गया था कि 5 हजार रुपए लगाने पर 25 हजार रुपए मिलेंगे। शुरुआत में निवेश करने पर ऐप में बढ़ी हुई रकम दिखने लगी, जिससे राहुल का भरोसा जालसाजों पर बढ़ गया। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग किस्तों में कुल 2.80 लाख रुपए निवेश कर दिए।

प्रशिक्षण का समापन

घर-घर ले जाकर प्रशिक्षकों को बताए जनगणना के तरीके

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में 2026 -जनगणना को लेकर मॉडल स्कूल में फील्ड प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण का समापन हो गया। ये प्रशिक्षण विभिन्न चरणों में हो रहा है। जनगणना जिला अधिकारी व एसडीएम भुवन गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण में पहले दिन कुल 55 कर्मचारी शामिल हुए। सभी की ट्रेनिंग बारी- बारी से 16 अप्रैल तक पूरी कर ली जाएगी। ट्रेनिंग में नहीं आने वाले कर्मचारी पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शनिवार को समापन हुआ। इन तीनों दिन मास्टर ट्रेनर्स में 33 बिंदुओं पर जनगणना कार्य करने के बारे में बताया गया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षकों को कुछ घरों में ले जाकर बताया जा रहा है कि जनगणना कैसे होनी है?

ये मास्टर ट्रेनर यहां से प्रशिक्षण पाने के बाद अपने- अपने जोन के गणकों को फील्ड में ले जाकर जनगणना करने की प्रक्रिया सिखाएंगे। बता दें कि भोपाल में जनगणना कार्य के लिए करीबन 4 हजार गणकों (कर्मचारी) और 670 पर्यवेक्षकों की ड्यूटी लगी है। कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में ये कर्मचारी 3 तहसील, एक नगर निगम और एक नगर पालिका क्षेत्र शामिल है। प्रत्येक गणक को 200 आवास अथवा 800 लोगों की जनगणना करनी है। जनगणना 1 से 31 मई तक चलेगी।

पुराने शहर में गंदगी का अंबार, नगर निगम की लापरवाही से बिगड़े हालात

भोपाल, दोपहर मेट्रो। के पुराने शहर के बाजारों में इन दिनों गंदगी और कचरे का अंबार देखने को मिल रहा है। नगर निगम की अनदेखी के चलते सड़कों पर जगह-जगह कचरा फैला हुआ है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुराने शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में हालात इतने खराब हो चुके हैं कि दुकानदारों और ग्राहकों को बदबू और गंदगी के बीच से गुजरना पड़ रहा है। सड़कों के किनारे कचरे के ढेर लगे हुए हैं, जिन्हें समय पर उठाया नहीं जा रहा। कई जगहों पर नालियां भी जाम हो चुकी हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है और स्थिति और भी भयावह हो गई है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद भोपाल नगर निगम द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई नजर आ रही है। इसका असर न केवल व्यापार पर पड़ रहा है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। गर्मी के मौसम में इस तरह की गंदगी से बीमारियों के फैलने का खतरा और बढ़ जाता है। मच्छर और बदबूदार वातावरण से स्थानीय लोग खासे परेशान हैं। नागरिकों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और नियमित कचरा उठाने की मांग की है, ताकि पुराने शहर की सड़कों को साफ-सुथरा बनाया जा सके और लोगों को राहत मिल सके।

निरामया प्रकृति के साथ स्वस्थ भारत पर कांफ्रेंस कल होगी

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

निरामया प्रकृति के साथ स्वस्थ भारत विषय पर राष्ट्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा कॉन्फ्रेंस-2026 बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के ज्ञान विज्ञान भवन में होगी। 6 अप्रैल को होने वाली यह कांफ्रेंस आरोग्य भारती एवं संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज संतनगर संयुक्त रूप से कर रहे हैं। कांफ्रेंस की शुरूआत सुबह 8 बजे से होगी।

कांफ्रेंस में देश के जाने-माने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के विशेषज्ञ अपना वक्तव्य देंगे। कार्यक्रम के उद्घाटन में आयुष विभाग के अवर सचिव संजय मिश्रा, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरूएस.के. जैन, योग विभाग की प्रमुख डॉक्टर साधना दौनेरिया, आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव अशोक वार्ष्णेय, और संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अंकेश सिंह भदोरिया प्रमुख रूप से उपस्थित होंगे। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल मंगू भाई पटेल होंगे। विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञ के रूप में डॉ एकलव्य बोहरा राजस्थान, डॉ. हिमांशु शर्मा राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित?सा संस्थान, पुणे, डॉ. राघवेंद्र राव बैंगलोर और डॉ. विवेक भारतीय रायपुर छत्तीसगढ़ से उपस्थित रहेंगे और विषय विशेषज्ञ के रूप में अपनी बात रखेंगे। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। पूर्व में आयोजित हुई स्पर्धा के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

जागरुकता दिवस पर एम्स में विशेषज्ञों ने रखे विचार

प्रारंभिक पहचान से बदल सकती है ऑटिज्म वाले बच्चों की जिंदगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एम्स भोपाल में प्रत्येक शुक्रवार को शिशु रोग बाह्य रोगी विभाग में न्यूरोविकास क्लीनिक है, जहां ऑटिज़्म से प्रभावित बच्चों को बहु-विषयक उपचार उपलब्ध कराया जाता है। इसके साथ ही अब समूह में इलाज और विभिन्न प्रकार की संवेदनाओं को विकसित करने वाली सुविधाएं शुरू की गई हैं, जिससे बच्चों के समग्र विकास में सहायता मिल सके।

विशेषज्ञों का मानना है कि प्रारंभिक पहचान से बच्चों की जिंदगी बदल सकती है। एम्स के शिशु रोग विभाग ने विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस पर स्लोगन प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और पंपलेट निर्माण जैसी गतिविधियों से छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर पोस्टर जारी किया गया। विशेषज्ञों ने ऑटिज़्म के लक्षण, प्रारंभिक पहचान, रेड फ्लैग संकेत और उपचार पर जागरूकता वार्ता हुई। अभिभावकों को परामर्श देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया और उन्हें जागरूकता फैलाने प्रेरित किया।

शहर का न्यू मार्केट अब होगा आइडियल बिजनेस जोन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर का न्यू मार्केट आइडियल बिजनेस जोन बनेगा। शनिवार को दक्षिण-पश्चिम विधायक भगवानदास सबनानी की मौजूदगी में हुई बैठक में पार्किंग, पिंक पार्किंग, अतिक्रमण, सौंदर्यीकरण समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति (रजि) के पदाधिकारियों और व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक सबनानी से मुलाकात की। उन्होंने न्यू मार्केट आइडियल बिजनेस जोन के लिए विभिन्न विषयों पर बैठक कर सकारात्मक चर्चा की। समिति अध्यक्ष सतीश गंगराड़े, सचिव पवन वरदानी, उपाध्यक्ष अजय देवनानी, प्रदीप गुप्ता सहित मार्केट के वरिष्ठ एवं युवा व्यापारी मौजूद थे। बैठक में विधायक सबनानी ने तत्काल जिला प्रशासन एवं निगम को न्यू मार्केट के सरोउंडिंग टू व्हीलर पार्किंग प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही दोनों पिंक पार्किंग को जल्द शुरू करने को कहा। समिति सदस्यों ने विधायक से स्थल निरीक्षण कर फोर व्हीलर पिंक पार्किंग के साथ ही मार्केट में अन्य स्थानों पर भी पार्किंग के लिए स्थल का निरीक्षण करने का आग्रह किया। चर्चा में समिति न्यू मार्केट के व्यापारी एवं रहवासियों से आग्रह कर उनके वाहन मल्टीलेवल पार्किंग में ही रियायती पास बनकर पार्क हो, ऐसा अभियान प्रारंभ कर मार्केट की पार्किंग को प्रशासन के साथ मिल कर सुव्यवस्थित करेगी। न्यू मार्केट को पूर्णतः नो हॉकर्स जोन बनाए। इसलिए यहां स्थायी अतिक्रमण विरोधी टीम तैनात होगी। प्रशासन द्वारा रेखांकित पीली लाइन के अंदर स्थायी व्यापारी का सामान रहेगा।

छात्रों को शिक्षा के साथ रोजगार के लिए बताए सफलता के मंत्र

कोलार कॉलेज में व्याख्यान आयोजित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कोलार के शासकीय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर विषय पर आयोजित व्याख्यान में प्राचार्य डॉ शालिनी सक्सेना ने विद्यार्थियों को सफलता पाने के मंत्र बताएं।

उन्होंने रोजगार के अवसरों का अधिकाधिक लाभ लेते हुए बताया कि किस प्रकार विद्यार्थी अच्छे पद पर पहुंच कर समाज व देश का उत्थान कर सकते हैं। उन्होंने शासन से बी. कॉम के विद्यार्थियों को मिलने वाले स्टाइपेंड के बारे में बताया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. पूर्वी करमचंदानी, प्रोफेसर, विद्यासागर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने विद्यार्थियों को किसी एक विषय में विशेषज्ञता एवं कौशल हासिल करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. शिवाली शाक्य और आभार डॉ. अनादि मिश्रा ने माना। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. कीर्ति जैन, डॉ राजेश श्रीवास्तव, डॉ. सुधांशुधर द्विवेदी, विभा श्रीवास्तव, डॉ. उमाशंकर कुल्हारे, डॉ. धीरज दुलहानी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

मोहन लाल बड़गैयां की स्मृति में काव्य संध्या आयोजित

हर दिन को त्यौहार लिखें, दर्द बहुत है दुनियां में.. अब केवल उपचार लिखें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ समाज सेवी मोहन लाल बड़गैयां की स्मृति में विशेष काव्य संध्या का आयोजन रेलवे इम्पालाइज एसोशियेशन सभागार में किया गया । सर्वप्रथम बाबू मोहन लाल बड़गैयाँ एवं सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। काव्य संध्या का शुभारम्भ वरिष्ठ कवि घनश्याम मैथिल अमृत की इन पंक्तियों से हुआ - प्यार प्यार बस प्यार लिखें, हर दिन को त्यौहार लिखें, दर्द बहुत है दुनियां में अब केवल उपचार लिखें । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि अशोक धमेनियां ने पड़ा - राम तुम्हारो रूप लखें चित चरनन चारु लुभावन है । मन भीतर वास करें मेरे, बाहर सावन - भादों है। गड़लकार अनिल रंगोटा खूब सराहे गये - हर

एक शय बेजुबान हो गई है, दिल ने दिल को कुछ कहा होगा। व्यंग्यकार सतीश चन्द्र श्रीवास्तव ने खूब तालियां बटोरी उनकी पंक्तियां कुछ यूं थीं - मौसम सुहाना हो जरूरी तो नहीं, कोई फसाना हो जरूरी तो नहीं । डडलकार बी. एन. तिवारी साहिब की यह पंक्तियां रहीं - मिलती नहीं सबको ये नायाब खूबियां, सूरज तलाश ले चरागों के दरमियां। वरिष्ठ कवि वीरेंद्र बड़गैया की पंक्तियां कुछ यूं थीं - सनातन के पुरोधाओं का यू अपमान नहीं होना चाहिए। युवा कवि पंकज दमाड़े की काव्य पंक्तियां थीं टुकड़ों में ही पल रहें है, फिर भी गरीब खल रहें है। युवा कवि नीतिराज चौरे ने काव्य गोष्ठी को यूं आगे बड़ाया हमारे चारों तरफ ये देखो, कि कैसी हूं हूं सी हो रहीं है। युवा कवि कुमार अखिलेश की पंक्तियों थीं - जीत सको तो दिलों को जीतो,विशेष को जीतकर क्या कर लोगे। काव्य संध्या में युवा कवि नमन चौकसे ने अपनी उपस्थिति यूं दर्ज की -जन्नत से कहां निकलता है कोई । युवा कवि अनिल साकेत को अपनी कविता के लिये खूब तालियां मिली -साथ देने का वादा तू न कर, साथ कोई निभाता नहीं । कार्यक्रम में पुरुषोत्तम आठिया जोनल महामंत्री अजा/जजा रेल कर्मचारी एसोशियेशन और सुरेश कुशवाह ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया। संयोजक वीरेंद्र कुमार बाबूजी ने सभी का आभार प्रकट किया।

सीएम ने काशी में कचौड़ी-सब्जी और लस्सी का लिया आनंद

वाराणसी में मुख्यमंत्री मोहन यादव अपनी पत्नी सीमा यादव के साथ शहर की प्रसिद्ध राम भंडार की दुकान पर पहुंचे। जहां उन्होंने कचौड़ी और लस्सी का ऑर्डर दिया। इसके बाद आम लोगों के साथ ही बैठकर नाश्ता किया। इसके बाद खुद दुकानदार को बिल के पैसे दिए। खाने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा- विक्रमादित्य महानाट्य जरूर देखने जाएं।

मप्र के कृषि छात्रों के लिए नया नियम

चार साल तक पौधे की करनी होगी देख-रेख, डिग्री के साथ मिलेगा सर्टिफिकेट

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

शिक्षा से पर्यावरण संरक्षण को भी जोड़ते हुए ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ने अभिनव पहल की है। विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में बीएससी (कृषि) पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को एक-एक पौधा रोपना और उसकी देखरेख की जिम्मेदारी लेनी होगी। इसके आधार पर विद्यार्थियों को डिग्री के साथ ग्रीन ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ने नवागत छात्रों के लिए ग्रीन ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट योजना की शुरुआत की है। मध्य प्रदेश में विश्वविद्यालय से संबद्ध ग्वालियर, इंदौर, सीहोर, खंडवा और

मंदसौर जिलों में स्थित कृषि महाविद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2025-26 में 522 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया है। विश्वविद्यालय की डीन डा. मृदुला बिल्लौरे ने बताया कि योजना के अनुसार इन सभी महाविद्यालयों के परिसर में विद्यार्थियों को एक-एक पौधा रोपना अनिवार्य होगा। चार वर्ष में डिग्री पूरी होने तक पौधे की देखभाल की जिम्मेदारी छात्र की होगी।

शनिवार को होगी पौधों की देखभाल

छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए शनिवार का दिन पौधों की देखभाल के लिए सुरक्षित रखा गया है। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक विशेष समिति का गठन भी किया गया है। इस योजना को गंभीरता से लागू करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुछ नियम भी बनाए हैं। इसके अंतर्गत यदि किसी कारणवश छात्र द्वारा लगाया गया पौधा सूख जाता है या खराब हो जाता है, तो उसे परिसर में दूसरा नया पौधा रोपना होगा। छात्र को ग्रीन ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट तभी दिया जाएगा, जब उसका पौधा जीवित और स्वस्थ होगा।

प्रदेश में विधायकों को सजा के पांच चर्चित मामले

सिर्फ एक महिला विधायक की सदस्यता हुई थी समाप्त, दतिया एमएलए का केस भी कोर्ट पर निर्भर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दतिया सीट से कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती को फर्जीवाड़े के मामले में दिल्ली की राउज अवेन्यू कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई है। इसके बाद विधानसभा सचिवालय ने दतिया सीट रिक्त घोषित करने की सूचना चुनाव आयोग को भेजते हुए गजट नोटिफिकेशन भी कर दिया। अब राजेन्द्र भारती इस सजा और सदस्यता खत्म करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की तैयारी में हैं। सोमवार को उनकी याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हो सकती है। मध्य प्रदेश में विधायकों को आपराधिक मामलों में सजा के ऐसे पांच प्रमुख मामले हैं जिनमें न्यायालय से विधायकों को सजा हुई, विधानसभा सचिवालय ने सीट रिक्त घोषित की लेकिन, उच्च अदालतों से कुछ विधायकों को राहत मिल गई तो उनकी विधायकी बच गई। लेकिन, एक विधायक की सदस्यता चली गई थी।

आशा रानी सिंह विधायक,बिजावर- छतरपुर जिले के बिजावर सीट से भाजपा विधायक आशा रानी सिंह को 2011 में एक नौकरानी को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में 10 साल की सजा सुनाई गई थी। उनके पति पर नौकरानी उनकी सजा के बाद विधानसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता समाप्त की और सीट रिक्त घोषित की थी। भाजपा की पूर्व विधायक आशारानी सिंह को उनकी घरेलू सहायिका तिजिया बाई को प्रताड़ित करने और उसे आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी पाया गया था।

10 साल की सजा के बाद गई थी विधायकी - 31 जनवरी 2011 को छतरपुर की एक अदालत ने उन्हें आत्महत्या के लिए उकसाने के जुर्म में 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। सजा के तुरंत बाद उनकी सदस्यता खतरे में आ गई थी, लेकिन उस समय लिली थॉमस फैसला लागू नहीं था। हालांकि, जेल जाने के कारण और सजा की अवधि लंबी होने के कारण 31 अक्टूबर 2013 को उनकी सीट को रिक्त घोषित कर दिया गया था। आशारानी सिंह ने हाई कोर्ट में अपील की थी, लेकिन उन्हें सजा पर स्टे नहीं मिला, जिसके कारण उनकी सदस्यता नहीं बच सकी और 31 अक्टूबर 2013 को उनकी सीट को रिक्त घोषित कर दिया गया था।

प्रहलाद लोधी विधायक, पवई

भाजपा विधायक प्रहलाद लोधी का मामला मध्य प्रदेश विधानसभा सचिवालय और न्यायपालिका के बीच खींचतान का एक बड़ा उदाहरण बना। 31 अक्टूबर 2019 को भोपाल की विशेष अदालत एमपी-एमएलए कोर्ट ने लोधी को साल 2014 के एक मामले में 2 साल की जेल और सजा सुनाई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई करने गए पवई के तत्कालीन तहसीलदार के साथ मारपीट की थी। विधानसभा सचिवालय ने इस सजा के आधार पर 2 नवंबर 2019 को उनकी सदस्यता रद्द करने की अधिसूचना जारी कर दी थी। इसके बाद प्रहलाद लोधी हाई कोर्ट पहुंचे और 7 नवंबर 2019 को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने उनकी सजा पर स्टे दे दिया। इस स्टे के आधार पर काफी कानूनी विवाद हुआ, लेकिन अंतत: सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप और हाई कोर्ट के आदेश के बाद उनकी सदस्यता बहाल हुई और वे विधायक बने रहे।

खरगापुर विधायक का निर्वाचन हो गया था शून्य

टीकमगढ़ जिले की खरगापुर विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक राहुल सिंह लोधी ने 2018 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। उनके खिलाफ कांग्रेस प्रत्याशी चंदा सिंह गौर ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। याचिका में दो मुख्य आरोप लगाए गए थे। जिनमें, राहुल सिंह लोधी ने अपने नामांकन पत्र एफिडेविट में यह जानकारी छिपाई थी कि उनकी फर्म आरआर कंस्ट्रक्शन का सरकार के साथ अनुबंध था, जो कि लाभ के पद के अंतर्गत आता है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान निर्धारित सीमाओं और नियमों का उल्लंघन किया गया था। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की जबलपुर बेंच के जस्टिस नमिन्द्रा सिंह ने इस मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए राहुल सिंह लोधी के 2018 के निर्वाचन को शून्य घोषित कर दिया। कोर्ट ने माना कि नामांकन पत्र में महत्वपूर्ण जानकारी छिपाना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 100 के तहत चुनाव रद्द करने का ठोस आधार है।

मुकेश मल्होत्रा विधायक, विजयपुर

विजयपुर विधायक मुकेश मल्होत्रा को मार्च 2026 में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर बेंच ने एक मामले में दोषी मानते हुए चुनाव को शून्य घोषित कर दिया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने नामांकन पत्र में अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाई थी। कोर्ट ने माना कि मतदाता को उम्मीदवार के आपराधिक इतिहास को जानने का अधिकार है और इसे छिपाना %भ्रष्ट आचरण% की श्रेणी में आता है। मुकेश मल्होत्रा ने एमपी हाईकोर्ट की ग्वालियर बैंच के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। जिसपर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राहत देते हुए उन्हें विधायक के तौर पर काम करने की अनुमति दी लेकिन, उन्हें विधायक का वेतन और सुविधाएं नहीं मिलेंगी। वे किसी भी मतदान में भाग भी नहीं ले पाएंगे। अब इस मामले की सुनवाई 23 जुलाई को होगी। यदि सुप्रीम कोर्ट हाई कोर्ट के फैसले पर स्टे दे देता है तो उनकी विधायकी बची रहेगी।

राजेंद्र भारती विधायक, दतिया

कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को 2 अप्रैल 2026 को दिल्ली की एक विशेष अदालत ने साल 1998 के एक पुराने बैंक धोखाधड़ी मामले जब वे दतिया सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष थे में दोषी पाया और उन्हें 3 साल की जेल की सजा सुनाई। उन पर पद का दुरुपयोग कर अवैध तरीके से ऋण बांटने का आरोप था। सदस्यता समाप्ति- सुप्रीम कोर्ट के लिली थॉमस नियम के तहत 2 साल से अधिक सजा, मध्य प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने 2 अप्रैल 2026 की देर रात को ही राजेंद्र भारती की सदस्यता रद्द कर दतिया विधानसभा सीट को रिक्त घोषित करने की सूचना चुनाव आयोग को भेज दी। वर्तमान में राजेंद्र भारती ने इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी की है। उन्हें जमानत तो मिल गई है, लेकिन अभी तक सजा पर कनविक्शन स्टे नहीं मिला है, इसलिए उनकी सदस्यता फिलहाल बहाल नहीं हुई है।

एनएबीएच सर्टिफिकेट नहीं दिया, फ्री इलाज बंद

126 अस्पतालों की आयुष्मान मान्यता खत्म, इनमें भोपाल के 51, इंदौर के 30 अस्पताल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 126 अस्पतालों की मान्यता खत्म कर दी है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में यह कदम उन अस्पतालों पर उठाया गया है, जिन्होंने NABH सर्टिफिकेट की जानकारी तय समय में नहीं दी। आयुष्मान कार्यालय ने पहले अस्पतालों को नोटिस देकर मौका दिया था, लेकिन इन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। रविवार 12 बजे इन अस्पतालों को नोटिस देकर जानकारी दी जाएगी। अब इन अस्पतालों में आयुष्मान के तहत मुफ्त इलाज नहीं मिलेगा। प्रदेश के चार बड़े शहरों–भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में कुल 398 अस्पताल योजना से जुड़े हैं। इनमें से 126 अस्पताल NABH सर्टिफिकेट की जानकारी नहीं दे सके, जिस कारण उन पर कार्रवाई हुई। इनमें भोपाल के 51, इंदौर-30, ग्वालियर-33 और जबलपुर के 12 अस्पताल शामिल हैं।

आयुष्मान भारत मध्यप्रदेश के CEO डॉ. योगेश भरसट ने कहा, यह कदम अस्पतालों में इलाज की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है, ताकि मरीजों को सुरक्षित और बेहतर इलाज मिल सके। सर्टिफिकेट अस्पतालों की गुणवत्ता और सुरक्षा का प्रमाण होता है। इसमें 600 से अधिक मानकों पर अस्पतालों की जांच की जाती है, जिसमें मरीजों की सुरक्षा, साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, नर्सिंग स्टाफ, इमरजेंसी सेवाएं और सर्जरी की प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। सरकार का मानना है कि यह सर्टिफिकेट मरीजों को सुरक्षित और भरोसेमंद इलाज की गारंटी देता है।

फुल एनएबीएच वालों को मिलेगा सीधा फायदा

जिन अस्पतालों के पास पहले से फुल NABH सर्टिफिकेट है, उन्हें आवेदन करते ही डीम्ड इंपैनलमेंट का लाभ मिलेगा। ऐसे अस्पतालों को अलग से निरीक्षण की जरूरत नहीं होगी और वे सीधे योजना से जुड़ सकेंगे। वहीं, अन्य अस्पतालों को पहले एंट्री लेवल NABH लेना होगा और तीन साल के भीतर फुल NABH सर्टिफिकेट हासिल करना अनिवार्य होगा। आयुष्मान योजना में अब अस्पतालों को उनकी गुणवत्ता के आधार पर भुगतान भी किया जाएगा। फुल NABH अस्पतालों को क्लेम राशि का 115 फीसदी भुगतान मिलेगा। एंट्री लेवल NABH अस्पतालों को 10ब्र अतिरिक्त भुगतान दिया जाएगा। इससे अस्पतालों को बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। अब मरीज भी अस्पतालों की गुणवत्ता तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। मोबाइल ऐप के जरिए मरीज अपने इलाज का फीडबैक दे सकेंगे, जिसके आधार पर अस्पतालों की सेवाओं का मूल्यांकन किया जाएगा।

वन विभाग का बड़ा घोटाला

नर्मदापुरम में 116 सागौन पेड़ों की अवैध कटाई, अपने ही कर्मचारी निकले दोषी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम जिले की बानापुरा रेंज की चिचवानी बीट से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिन लोगों पर जंगल की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी, वही कर्मचारी अवैध कटाई जैसे गंभीर अपराध में शामिल पाए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, सागौन के करीब 116 पेड़ों की अवैध कटाई करवाई गई। कटे हुए लकड़ी को डिपो के नाम पर पिकअप वाहन में भरकर बेचा गया। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे खेल में कोई बाहरी माफिया नहीं, बल्कि विभाग के ही कर्मचारी शामिल थे। मामले का खुलासा होते ही वन विभाग में हड़कंप मच गया। जांच के लिए डीएफओ गौरव शर्मा, एसडीओ अनिल विश्वकर्मा सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। मौके पर अवैध कटाई का बड़ा स्तर देखकर अधिकारी भी स्तब्ध रह गए।

कर्मचारियों पर शिकंजा

जांच के दौरान एसडीओ अनिल विश्वकर्मा ने सुखतवा सर्किल के नाकेदार महिपाल सिंह यादव, रूपेश साहू और दो चौकीदारों को पूछताछ के लिए बानापुरा रेंज कार्यालय बुलाया। पूछताछ में चौकीदारों ने वनरक्षकों के नाम उजागर किए, जिसके बाद मामला और गंभीर हो गया।

जांच अधिकारी पर ही लगे मारपीट के आरोप

हालांकि, खुद को घिरता देख आरोपित वनरक्षकों ने जांच अधिकारी पर ही मारपीट और प्रताड़ना के आरोप लगा दिए। नाकेदार महिपाल सिंह यादव ने आरोप लगाया कि पूछताछ के दौरान उन्हें गालियां दी गईं और डंडे से पीटा गया। उन्होंने सिवनीमालवा थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मेडिकल परीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, चौकीदारों ने भी आरोप लगाया कि उन्हें दो दिन तक बंधक बनाकर रखा गया और बिजली का करंट देकर प्रताड़ित किया गया।

मामला उलझा, दोनों पक्षों पर सवाल

इस पूरे घटनाक्रम ने मामले को और ज्यादा उलझा दिया है। एक तरफ अवैध कटाई का गंभीर आरोप है, तो दूसरी ओर जांच प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं। डीएफओ ने प्राथमिक जांच के आधार पर तीन वनरक्षकों को निलंबित कर दिया है और चौकीदारों को भी आरोपी बनाया गया है। उनका कहना है कि जो भी कर्मचारी इस अवैध कटाई में शामिल पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर विकास प्राधिकरण दूर करेगा अधिकारियों-कर्मचारियों का टोटा

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी को दूर करने जा रहा है। इसके लिए आईडीए ने 29 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की है, ताकि सामान्य कामकाज के साथ ही विभिन्न प्रोजेक्ट को समय पर पूरा किया जा सके। बीते सालों में लगातार हो रही सेवानिवृत्ति के कारण मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री कार्यपालन यंत्री से लेकर सम्पदा, राजस्व निरीक्षण जैसे पद खाली हो गए थे। इंदौर जिले में टीपीएस योजनाओं के अलावा विभिन्न प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए आईडीए के पास इंजीनियरों और अधिकारियों का टोटा हो गया था।इस कारण टेंडर, निरीक्षण सहित अन्य कार्य पूरे नहीं हो पा रहे थे।

गुंजारी संगम बना आस्था, श्रम और संकल्प का जीवंत प्रतीक

भोपाल। बुदनी की पावन धरा पर स्थित गुंजारी नर्मदा संगम घाट पुन: उस दिव्य अनुभूति का साक्षी बना, जहां श्रद्धा और सेवा एकाकार होकर जनचेतना का नया इतिहास रचती दिखाई दी। मां नर्मदा की शांत, कल-कल बहती धारा में जब जनप्रतिनिधि, संत और आमजन एक साथ श्रमदान में जुटे, तो वह दृश्य केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक जागरण का सजीव प्रतीक बन गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने श्रमदान कर यह स्पष्ट किया कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने आचरण से प्रेरणा देता है।

मेट्रो एंकर — 9.40 करोड़ का इंजेक्शन बचा सकता है मासूम की जान

दो महीने की सृष्टि को स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी; पिता ने लगाई गुहार

गरोठ/भोपाल, दोपहर मेट्रो

मंदसौर जिले का एक छोटा सा कस्बा गरोठ इन दिनों एक ऐसी मासूम की जिंदगी के लिए दुआएं मांग रहा है, जिसकी सांसें करोड़ों रुपए के इंजेक्शन पर टिकी हैं। दो महीने की सृष्टि स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी नाम की दुर्लभ बीमारी से जूझ रही है। इलाज के लिए लगने वाले इंजेक्शन की कीमत करीब 9.40 करोड़ रुपए है। गरोठ की गुप्तेश्वर कॉलोनी में रहने वाले गौरव सोनी के घर 3 साल की मन्नत के बाद इसी साल जनवरी में सृष्टि का जन्म हुआ था। परिवार खुश था कि मां दुधाखेड़ी ने उनकी सुन ली, लेकिन यह खुशी महज चंद हफ्तों में ही गम में बदल गई।

सृष्टि के पिता गौरव और दादा अनिल सोनी नगर में ही सड़क किनारे गुमटी में साइकिल और बाइक का पंचर बनाने का

मदद के लिए पीएम को लिखा पत्र

गौरव सोनी ने मदद के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से आर्थिक सहायता के लिए गुहार लगाई है। पत्र में लिखा है कि वे एक गरीब परिवार से हैं। इतनी बड़ी राशि का इंतजाम करना नामुमकिन है। अपील की है कि मानवीय आधार पर उनकी बेटी को नया जीवन दिया जाए। गरोठ और मंदसौर के स्थानीय लोग भी मदद के लिए हाथ बढ़ा रहे हैं। वहीं, मासूम की सहायता के लिए गरोठ विधायक चंदरसिंह सिसौदिया ने सीएम को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से राशि स्वीकृत करने की मांग की है।

काम करते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस परिवार की जमापूंजी और महीने की कमाई घर के राशन में सिमट जाती हो, उनके लिए इतनी बड़ी रकम किसी पहाड़ से भी भारी है। गौरव ने बताया कि बेटी का जन्म 18 फरवरी 2026 में हुआ था। इसके 8-10 दिन बाद से उसमें इस बीमारी के लक्षण नजर आने लगे। उसे सांस लेने में दिक्कत होने लगी और उसके हाथ-पैर ढीले पड़ने लगे तो हम कोटा दिखाने ले गए। वहां से ट्रीटमेंट के लिए एक रिपोर्ट कराने को कहा, जो इंदौर में हुई। जैसे ही सैंपल की रिपोर्ट आई, तो हम उसे राजस्थान में जयपुर में जेके अस्पताल ले गए। यहां 22 मार्च को डॉक्टर ने SMA ज्ञ4श्चद्ग-1 बिमारी के बारे में बताया। गौरव ने कहा- बच्ची को दूध पीने और हाथ-पैर चलाने में दिक्कत आ रही है। उसे सांस भी ठीक से नहीं ले पाती है।

मन्नतें मांगकर पाया, मासूम को बचाए सरकार- सृष्टि की मां पूजा सोनी ने बताया शादी के तीन साल बाद मन्नतों से जन्मी मेरी बेटी सृष्टि आज ऐसी हालत में है कि वह ठीक से दूध तक नहीं पी पा रही। हमने बहुत मन्नतें मांगकर इसे पाया था, लेकिन अब वही खुशी हमें तिल-तिल कर तड़पा रही है। वहीं दादा अनिल सोनी ने कहा- 3 साल के इंतजार के बाद घर में लाडली लक्ष्मी आई, पर आज वह गंभीर बीमारी से जूझ रही है। मैं साइकिल रिपेयरिंग का काम करने वाला एक छोटा सा दुकानदार हूं, इंजेक्शन का खर्च उठाना मेरी शक्ति से बाहर है। सरकार से विनम्र प्रार्थना है कि बेटी बचाओ के संकल्प को साकार करते हुए मेरी पोती को जीवनदान दें।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 05 अप्रैल 2026

स्मार्ट गार्डनिंग | **इंसानों को ही नहीं, पौधों को भी बेहाल कर देती है तपती धूप और बेहाल करने वाली लू**

ताकि... झुलसाती गर्मी में भी महकती- चहकती रहे बगिया

गर्मियों की तपती धूप और झुलसा देने वाली लू न केवल इंसानों को, बल्कि पौधों को भी बेहाल कर देती है। गर्मी में अच्छे-भले हरे-भरे पौधे सूखकर पीले पड़ने लगते हैं। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है, गार्डनिंग एक्सपर्ट के बताए कुछ आसान तरीकों को अपनाकर आप अपने बगीचे को भीषण गर्मी में भी हरा-भरा रख सकते हैं।

गर्मियों की तपती दोपहर और झुलसा देने वाली लू न केवल इंसानों के लिए, बल्कि बगीचे के पौधों के लिए खतरनाक होती है। अक्सर इस मौसम में तेज धूप और शुष्क हवा के कारण मिट्टी की नमी तेजी से खत्म हो जाती है, जिससे हरे-भरे पौधे अचानक सूखकर बेजान होने लगते हैं।गार्डनिंग एक्सपर्ट प्रदीप के अनुसार, मल्चिंग, पानी देने का सही समय और जैविक लिक्विड खाद का उपयोग करके पौधों को हीट स्ट्रेस से बचाकर उन्हें हरा-भरा और घना बनाए रखते हैं। उन्होंने कुछ जरूरी सुझाव दिए हैं जिन्हें अपनाना गर्मियों में बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।

मल्चिंग से बनाएं सुरक्षा कवच

गर्मियों में मल्चिंग बहुत जरूरी होती है। इसमें गमले की मिट्टी की ऊपरी सतह को कोकोपीट, सूखे पत्तों, धान के भूसे या लकड़ी के बुरादे की एक परत से ढक दिया जाता है। यह परत सूरज की सीधी रोशनी को मिट्टी तक पहुंचने से रोकती है, जिससे मिट्टी का तापमान कम रहता है और नमी लंबे समय तक बरकरार रहती है। यह जड़ों को झुलसने से बचाने का सबसे सस्ता और बेहतरीन तरीका है।

दिन में दो बार पानी देना

गर्मियों में दोपहर की धूप इतनी तेज होती है कि सुबह दिया गया पानी दोपहर तक सूख जाता है। इसलिए एक्सपर्ट्स की सलाह है कि पौधों को सुबह जल्दी और शाम को सूरज ढलने के बाद पानी दें। सुबह पानी देने से पौधे दिन भर की गर्मी झेलने के लिए तैयार हो जाते हैं। ध्यान रहे, दोपहर की तेज धूप में कभी पानी न डालें, क्योंकि इससे गर्म मिट्टी और ठंडे पानी के रिएक्शन से जड़ें खराब हो सकती हैं। सुबह 8 बजे से पहले या शाम को 5 बजे के बाद ही पानी दें, ताकि पानी वाष्पित न हो। गमले की पूरी मिट्टी गीली होने तक (नीचे के छिद्र से पानी निकलने तक) पानी डालें।

पत्तियों पर पानी का छिड़काव

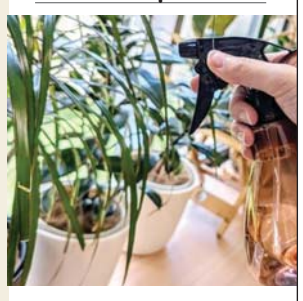

सिर्फ जड़ों में पानी देना काफी नहीं है। गर्मियों में हवा बहुत शुष्क होती है, इसलिए पौधों की पत्तियों पर पानी का हल्का छिड़काव करना बहुत फायदेमंद होता है। यह न केवल पत्तियों का तापमान कम करता है, बल्कि उनके आसपास नमी का स्तर भी बढ़ाता है। नाजुक और इंडोर प्लांट्स के लिए यह तकनीक संजीवनी का काम करती है। इससे पत्तियां ताजी और चमकदार बनी रहती हैं।

लिक्विड फर्टिलाइजर का उपयोग

तेज गर्मी में ठोस खाद जैसे गोबर की खाद या वर्मीकम्पोस्ट का ज्यादा इस्तेमाल पौधों को जला सकता है क्योंकि उनकी तासीर गर्म होती हैं। इसके बजाय, गर्मियों में लिक्विड फर्टिलाइजर देना सबसे अच्छा है। आप घर पर बनी कंपोस्ट टी, केले के छिलके का पानी या चावल को धोने के बाद निकला पानी का उपयोग कर सकते हैं। ये तरल खाद पौधों को तुरंत पोषण देते हैं और जड़ों पर दबाव नहीं डालते।

पौधों की जगह बदलें

अगर मुमकिन हो, तो तेज धूप वाले पौधों को छायादार जगह पर शिफ्ट करें। आप अपने बगीचे के ऊपर ग्रीन नेट लगा सकते हैं, जो सूरज की रोशनी को 50% से 70% तक छानकर भेजती है। पौधों को एक-दूसरे के पास सटाकर रखने से भी वे आपस में नमी साझा करते हैं और झुलसने से बचते हैं। सप्ताह में एक बार पौधों की सूखी पत्तियां और कमजोर टहनियां काट दें (Pruning) ताकि वे नई शाखाएं निकाल सकें।

इनडोर पौधों की सुरक्षा

गर्मी के मौसम में घर के अंदर रखे पौधों को पानी देने का एक बेहतरीन तरीका यह है कि शाम को पौधों को दोबारा पानी दें। पत्तियों के मुरझाने और मिट्टी के सूखने की जाँच करने के लिए भरोसेमंद 'उंगली से छूकर देखें' विधि का प्रयोग करें - अधिकांश उष्णकटिबंधीय पौधों के लिए, जब मिट्टी 1-2 इंच नीचे तक सूखी लगे तो पानी दें। मिट्टी के जल्दी सूखने और सख्त होने का एक और मुख्य संकेत यह है कि मिट्टी गमले के किनारों से अलग होने लगती है। अगर मिट्टी और गमले के किनारे के बीच गैप हो, तो उसे फिर से पानी देने का समय आ गया है! बस ध्यान रखें कि गर्मी कम होने पर शाम को ही पानी दें। अगर सूरज डूब रहा हो या डूब चुका हो, तो सूखी पत्तियों पर पानी का छिड़काव करना अच्छा विकल्प है।

जीवन-ज्योति

जीवन ऊर्जा पर मन को केंद्रित कर अपने प्राण - श्वास का निरीक्षण करें

श्री श्री रविशंकर
आध्यात्मिक गुरु

बुद्धिमान व्यक्ति इस ब्रह्मांड, इस संसार से परे चले जाते हैं और अमरत्व को प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन कैसे? वस्तुतः हमारे भीतर कुछ ऐसा होता है, जो कभी नहीं मरता, जो कभी बूढ़ा नहीं होता। इस बारे में प्रत्येक व्यक्ति अपने ढंग से सोचता है। अगर आप देखें तो छोटे बच्चे बड़े हो रहे हैं और स्थितियां भी बदल रही हैं, लेकिन कई बार आप महसूस करते हैं कि आप नहीं बदल रहे हैं। कुछ लोग कहते हैं- मैं तो बूढ़ा हुआ ही नहीं/हुई ही नहीं। भीतर से आपको महसूस होता है कि सिर्फ समय बीता है, आपमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। यह सच भी है, क्योंकि आपके भीतर एक ऐसा अंश है, जो न तो बदलता है और न ही मरता है। यही एक दूसरी दुनिया है, जहां अमरत्व है।

मृत्युलोक वह है, जहां सब कुछ बदल जाता है। मृत्यु का अर्थ है परिवर्तन या क्षय। आप इस नाशवान संसार से अमरत्व, अपरिवर्तनशील संसार, शाश्वत-आत्मा की ओर मुड़ जाते हैं, जो आपके भीतर है। आपके मन के पीछे है। आत्मा वह नहीं है, जिसे आप देख सकें, बल्कि वह है, जिसे आप अपने भीतर महसूस करते हैं। यह प्राणों का प्राण है। जब प्राण उच्च स्तर में होता है, तब आप हर परिस्थिति में मुस्कुरा सकते हैं। आप अपनी दैनिक गतिविधियों में प्राण ऊर्जा को खर्च करते हैं। यदि आप प्राण की कमी को पूरा किए बिना प्राण को खर्च करते रहते हैं, तब आपको अवसाद घेर लेता है। जीवन विरोधी चिह्न शरीर में उत्पन्न होने लगते हैं और सौंदर्य नष्ट होने लगता है।

अपने प्राण, अपने श्वास का निरीक्षण करें। यह दायीं नासिका में चल रहा है या बायीं नासिका में? जब आप दायीं नासिका से श्वास ले रहे होते हैं, तब आपमें ज्ञान का उदय होता है और जो मैं कह रहा हूं, वह आपको समझ में आता है। जब आप बायीं नासिका से श्वास ले रहे होते हैं, तब आप मेरी बात को एक संगीत या तथ्य की भांति सुनते हैं। तब आपको तथ्य समझने की आवश्यकता नहीं रहती। जब बायीं नासिका क्रियाशील होती है, तब दाहिना मस्तिष्क क्रियाशील होता है और दाहिना मस्तिष्क संगीत को पसंद करता है। जब बायीं नासिका क्रियाशील होती है, तब दाहिना मस्तिष्क क्रियाशील होता है। दायीं नासिका मस्तिष्क के बाएं भाग की क्रियाशीलता से जुड़ी होती है, जो तर्क करता है, विचार करता है और समझता है। जब दोनों नासिका से श्वास समान रूप से बहती है, तब ध्यान लगता है। मन में प्रार्थना जागती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि हम प्राण के एक समुद्र में रह रहे हैं।

हमारी मस्तिष्क की कोशिकाएं प्राण से भरी होती हैं। इनमें बहुत अधिक शक्ति होती है। लेकिन, मस्तिष्क का किस प्रकार से प्रयोग करना है, इसकी तकनीक को हमने खो दिया है। अध्यात्म को हमें क्रियाशील करना है। यह आपके योग अभ्यास और अपने भीतर ध्यान ले जाने से ही संभव है। यदि यह अच्छी तरह क्रियाशील है, तब आसपास ही नहीं, दूर बैठे व्यक्ति की भावनाओं को भी महसूस कर सकते हैं। आपने इसका अनुभव किया होगा। यदि आपका कोई निकट मित्र या रिश्तेदार कहीं परेशानी में है, तब आप भी वही महसूस करते हैं। उनकी भावनाएं आपको प्रभावित करती हैं। आप भी उन भावनाओं को महसूस करने लगते हैं। इस संवेदनशीलता को आप ध्यान और अध्यात्म से बढ़ा सकते हैं।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 05 अप्रैल से 11 अप्रैल तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, लेकिन घर परिवार की कुछ निजी समस्याएं उनको मानसिक कष्ट दे सकती हैं। ऐसे समय में आध्यात्मिक उपाय इष्ट देव की साधना गुरुजनों की शरण जैसे उपाय एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर कार्य करने से मन शांत होगा।

वृषभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अपने कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे। युवा एवं रोजगार की तलाश में जुटे बेरोजगार अपने लक्ष्य के प्रति सजगता रखें तो उनको उत्तम स्टार की सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं। आगामी दिनों में आपको कुछ बड़ी सफलताएं भी मिल सकती हैं भवन भूमि संबंधी कार्यों से आर्थिक लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं।

मिथुन: राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ आर्थिक परेशानी का अनुभव कर सकते हैं व्यापार व्यवसाय अथवा जो भी आपका कार्य क्षेत्र है उसे धनागम में कुछ बढ़ाएं उपस्थित हो सकती हैं। रुका हुआ धन प्राप्त करने में विलंब एवं जहां से नियमित धन प्राप्त होता है। वहां भी कुछ व्यवधान आ सकता है अतः आए और व्यय में संतुलन बनाकर आपसी सामंजस्य बिठाकर वाणी पर विशेष संयम रखकर कार्य करने से सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: राशि के जातक आगामी सप्ताह में भ्रमण मनोरंजन मांगलिक कार्य अथवा धर्म स्थलों की यात्रा में व्यस्त रह सकते हैं। आपके घर परिवार के सदस्यों और निजी लोगों के साथ उत्तम स्थान पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा। घर परिवार का साथ मिलने से आपके मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा व्यापार व्यवसाय करने वाले जातकों को आर्थिक लाभ उत्तम स्टार का होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह : राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में संभाल कर चलने की आवश्यकता बनी रहेगी विशेष रूप से आर्थिक कर्म से आपके मन में चिंता अथवा अशांति का भाव रह सकता है। निकट के परिजनों की आवश्यकता एवं वर्तमान परिस्थिति जन्य कर्म से आपको कठिनाई का अनुभव होगा ऐसे समय में अपने निकट के मित्रों का सहयोग आपको संबल प्रदान करेगा। वरिष्ठ जनों एवं अधिकारियों से सही हो प्राप्त होगा।

कन्या: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में मिश्रित सफलता मिलने के संकेत बने हुए हैं आपकी कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। जिम्मेदारी एवं दायित्व पूर्ण स्थान प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं। पद प्रतिष्ठा में वृद्धि आई में वृद्धि और उच्च पदस्थ व्यक्तियों से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं।

तुला: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता मिलने के संकेत हैं यदि आप सामाजिक राजनीतिक एवं राजकीय कार्यों में संलग्न है तो आपका अधिकार क्षेत्र में वृद्धि होगी। पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी आए के साधन भी बढ़ेंगे घर परिवार में सुखद और मांगलिक वातावरण निर्मित होने के संकेत मिल रहे हैं।

वृश्चिक: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह हमें उत्तम सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं। आपके द्वारा विगत दिनों किए गए परिश्रम एवं सहयोग से आपके विशिष्ट कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिणाम स्वरूप मान सम्मान प्रतिष्ठा पदोन्नति जैसे कार्य संपन्न होंगे घर परिवार एवं कार्य स्थल के सहयोगियों के बीच में पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में भी सावधानी की आवश्यकता बनी रहेगी। आपके द्वारा किए गए कार्यों से किसी भी व्यक्ति को असंतोष उत्पन्न हो सकता है। अतः अपनी वाणी और अपने कार्यों को नियंत्रित कर कर कार्य करें आर्थिक हानि भी कष्ट दे सकती है। आई और व्यय में संतुलन वाणी पर नियंत्रण वाहन आदि चलाने में भी विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता बनी हुई है।

मकर: राशि के जातक विगत दिनों की अपेक्षा इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके द्वारा किए गए कार्यों से आपके घर परिवार को सुखद वातावरण मिलेगा साथी कोई विशिष्ट कार्य संपन्न होने से घर परिवार में मांगलिक वातावरण निर्मित होगा।

कुंभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अत्यधिक व्यस्तता का अनुभव कर सकते हैं मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी किसी नई विशेष जिम्मेदारी मिलने के भी संकेत मिल रहे हैं। कार्यभार की अधिकता में अपने स्वास्थ्य खान-पान एवं दिनचर्या पर संतुलन बनाकर रखने की आवश्यकता वाणी रहेगी।

मीन: राशि के जातकों को अभी भी संभाल कर रहने की आवश्यकता बनी हुई है। विशेष रूप से 50 वर्ष की आयु से अधिक उम्र के जातक एवं जाति कैन अपने दिनचर्या में रहन-सहन में अपने कार्यों में विशेष सावधानी रखें किसी भी कारण चोट चपेट अथवा शारीरिक व्याधि आपको परेशान कर सकती है। अन्य कार्यों में व्यापार व्यवसाय आर्थिक कर्म में समस्याओं का निवारण होगा।

दिया कबीरा रोय

होना फ्रेक्चर हाथ में ...

यशवंत कोठारी
व्यंग्यकार

आखिर मेरे को भी फ्रेक्चर का लाभ मिल गया। जिस उम्र में लेखकों को मधुमेह, उच्च रक्त चाप, किडनी फेलियर, या स्ट्रोक या हृदय की बीमारी मिलती है मुझे फ्रेक्चर मिला। हुआ यों कि मैं सायंकालीन आवारा गर्दी के लिए निकला। गली पर ही एक एक्टिवा पर तीन बच्चियां तेज़ी से निकली, मैं साइड में था, मगर शायद दिन ख़राब था, एक कुत्ते को बचाने के चक्कर में मेरी पीठ पर दुपहिया वाहन ने तीनों लल्लियों के साथ टक्कर मारी, मैं गिरा। मेरे हाथ में असहनीय दर्द शुरू हुआ, मुझे समझ आ गया कही कुछ गड़बड़ है। घर वाले आये तब तक में पास के क्लिनिक में चला गया। डॉक्टर समझदार था बोला-

बाबा अकेले आये हो ? कुछ जेब में है या नहीं? मैंने कहा -अभी तो मरहमपट्टी कर दो। तब तक घरवाले आ जायेंगे।

बाबा यह तो दुर्घटना का मामला है, पुलिस का लफडा भी हो सकता है। मैंने शालीनता से कहा -पुलिस केस नहीं करना है। मैं दर्द से कराहता रहा, डाक्टर के कुछ फर्क नहीं पड़ा। घरवाले भी आ गये। अब डाक्टर ने ध्यान दिया, एक्स रे होगा, कुछ और जांचे होगी। दस हज़ार जमा करा दो, फिर देखते हैं और पुलिस केस नहीं करना है इस का भी फार्म भर दो। घरवाले कागजी कार्यवाही में लग गए, मैं पड़ा पड़ा कराहता रहा। नर्स ने चुपचाप पड़े रहने के निर्देश जारी किये। दर्द बढ़ता रहा एक्सरे से पता चल गया हाथ की हड्डी टूट गयी है। हाथ में सूजन आ गई. दर्द बढ़ गया लेकिन अभी कोई दवा- दारू नहीं हुआ था। डाक्टर ने मुझे अन्दर बुलाया और कहा -बाबा तुम्हारी हड्डी में फ्रेक्चर है। अपने पुराने ज्ञान के आधार पर मैंने पूछ लिया -रेडियस टूटी है या अलना ।

डाक्टर आग बबूला हो गया बोला -डाक्टर मैं हूँ या तुम? तुम्हारी टिबिया फेबुला लेफ्ट साइड की टूटी है।

घरवालों ने बताया की दर्द तो दायें भाग में हाथ में हैं लेकिन डाक्टर नहीं माना। बाद में पता चला कि एक्स रे प्लेट गलती से बदल गयी थी. एक पांव के मरीज़ की प्लेट मेरी समझ ली गयी थी। अब पता चला कि दाहिने हाथ की रेडियस में हेयर -थ्रेड फ्रेक्चर है, जो मामूली क्रेप बेंडेज से ठीक हो सकता था मगर डाक्टर को धंधा चलाना था। उसने अपनी नर्स को बुलाया मेरे को हाथ लटकाने के लिये सपोर्ट , बेंडेज, दवा पेन किलर, व कई अन्य साजो सामान देने का आदेश दिया।

बिल बना मात्र पन्द्रह हज़ार जिसमें मेरे वहां लेटे रहने का भी खर्च शामिल था। घरवाली ने सब को खबर कर दी बच्चे भागे भागे आये। डाक्टर दूसरे दिन समझ गया मोटी मुर्गी है धीरे धीरे हलाल करो। अब डाक्टर ने कहा -बाबा बुजुर्ग है, लगे हाथ सब टेस्ट करा लो । मैं मना करता रहा मगर एक मामूली फ्रेक्चर के लिए पूरी बोडी का चेक अप हुआ। एक सुंदर सी लड़की घर आकर ही सैंपल ले गयी। दो दिन बाद बाद लम्बी चौडी रिपोर्टों का एक पुलिंदा आया जिसमें कई जगहों पर निशान थे।

अब मुझे एक बड़े नामी अस्पताल में डाल दिया गया, और एक लाख रूपये जमा करा दिए गए। हाथ का दर्द का यथावत था। मगर अब हाथ को सब भूल गए थे। सब डाक्टर और घरवाले जाँच रिपोर्ट के आधार पर मुझे गंभीर बीमार घोषित कर चुके थे।

डाक्टरों की एक सेमिनार में मुझे एक केस हिस्ट्री की तरह पेश किया गया, इस का फायदा इस नामी हॉस्पिटल को मिला और डाक्टर को प्रमोशन भी मिला। डाक्टरों के अनुसार मेरा सड़क पर गिर कर घायल होना एक ऐसी घटना थी जिस पर शोध से नई पीढ़ी को ज्ञान मिलेगा, हाथ का क्या है आज नहीं तो कल ठीक हो जायगा। बिल बढ़ता जा रहा था, मेडीक्लेम निपट गया था, अब घर की पूँजी लग रही थी, डाक्टरों के खाते में रोज कमिशन जुड़ रहा था, एक दिन तो गज़ब हो गया मेरे डीलक्स वार्ड में डाक्टर की दस विजिट मेरे खाते में दिखा दी गयी। भारी बिल आया। विशेषज्ञ डाक्टरों का एक पूरा पैनल राउंड पर आता और बीमारी का गंभीर विश्लेषण करता। डाक्टर इस फ़िराक में थे कि एंजियोप्लास्टी कर दें या डायलिसिस कर दें या फिर वेंटिलेटर पर डाल दें। घर वालों की श्रद्धा भी अब थक गयी थी। किसी बहाने मैं अस्पताल से निकलना चाहता था। एक रोज़ अस्पताल की उबली सब्जी खाने के बाद मैं निकल भागा और सीधे एक स्थानीय हड्डी पहलवान से मालिश कराकर ठीक हो गया। लम्बे चौडे बिलों से जान छूटी। लौट के व्यंग्यकार घर को आया। **-साभार**

नॉलेज | **धरती पर 'आर्टिफिशियल सूर्य' बनाने की तैयारी, हमेशा के लिए खत्म होगा ऊर्जा का संकट!**

बेंगलुरु की एक लैब में इंजीनियरों का एक समूह कुछ ऐसा करने की कोशिश कर रहा है जो ना केवल साहसी है बल्कि लगभग असंभव सा लगता है। धरती पर सूर्य जैसी शक्ति को तैयार कर लेना। जीवाश्म ईंधन या पारंपरिक परमाणु ऊर्जा के विपरीत, यह तकनीक परमाणुओं को जलाने या विखंडित करने पर ही निर्भर नहीं है। इसकी बजाय, यह हाइड्रोजन जैसे हल्के तत्वों को आपस में जोड़कर फ्यूजन तकनीक से भारी मात्रा में ऊर्जा पैदा करती है। ठीक वैसे ही जैसे सूर्य के अंदर होता है। यदि यह कोशिश सफल होती है, तो भारत के एनर्जी प्रोडक्शन सिस्टम को पूरी तरह से बदल कर रख सकता है।

इस महत्वाकांक्षी प्रॉजेक्ट के केंद्र में बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप 'प्राणोस फ्यूजन' (Pranos Fusion) है। यह कंपनी न्यूक्लियर फ्यूजन यानी परमाणु संलयन पर काम कर रही है। ये वही प्रक्रिया है जो सितारों को शक्ति देती है. फ्यूजन को अक्सर ऊर्जा की दुनिया का 'अंतिम लक्ष्य' माना जाता है। प्राणोस फ्यूजन के संस्थापक डॉ. शौर्य कौशल बताते हैं- फ्यूजन वह तरीका है, जिससे ब्रह्मांड खुद को ऊर्जा देता है।

सॉफ्टवेयर से हार्डवेयर तक का सफर: दशकों तक यह केवल थ्योरी और सरकारी रिसर्च तक ही सीमित था, लेकिन अब इसे इंजीनियरिंग हकीकत में बदलने का समय आ गया है। प्राणोस फ्यूजन ने अपनी यात्रा 'जेंगा' नामक एक सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म से शुरू की, जिसे भविष्य के फ्यूजन रिएक्टरों का 'मस्तिष्क' कहा जा रहा है. इसके बाद, टीम ने 'प्रज्ञा' नाम का एक मिड-स्केल टोकामक डेवपल किया।

लागत और चुनौतियों का समाधान: फ्यूजन के साथ सबसे बड़ी चुनौती इसकी भारी लागत रही है। प्राणोस पारंपरिक बड़े रिएक्टर्स की बजाय कॉम्पैक्ट यानी छोटे डिजाइन पर काम कर रहा है। 'हाई-टेम्परेचर सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट' की मदद से छोटी सी जगह में भी अधिक ऊर्जा पैदा करना संभव हो पाएगा.। अशोक सेंटर फॉर ए पीपल- सेंट्रिक एनर्जी ट्रांजिशन के सीनियर रिसर्च फेलो अनिमेष घोष के अनुसार, तकनीकी दिक्कतों के अलावा सप्लाई चेन और ट्रिटियम जैसे ईंधन की आपूर्ति भी बड़ी चुनौतियां हैं।

न्यूज विंडो

प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट बेचने वाले एक दुकानदार को दबोचा

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा शहर की कोतवाली पुलिस ने बस स्टैंड क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट बेचने वाले एक दुकानदार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से करीब 68 हजार रुपए कीमत की ई-सिगरेट जब्त की है। पुलिस ने जब इन सिगरेटों के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे तो दुकानदार कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच में पाया गया कि आरोपी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम की धारा का उल्लंघन किया गया है। इसके बाद पुलिस ने सिगरेट जब्त कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

758 करोड़ की मंजूरी, इटारसी-बैतूल टाइगर कॉरिडोर बनेगा फोरलेन

नर्मदापुरम। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग-46 के इटारसी-बैतूल सेक्शन में स्थित 22 किलोमीटर लंबे टाइगर कॉरिडोर को चारलेन में बदलने की महत्वपूर्ण स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना के लिए 758 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के इस फैसले को क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि इससे पूरा ग्वालियर-बैतूल कॉरिडोर चारलेन हाईवे में तब्दील हो जाएगा। वर्तमान में इस 22 किमी क्षेत्र में फोरलेन निर्माण पर हाईकोर्ट का स्टे लगा हुआ है।चौधरी के अनुसार, यह कृषि और खनिज संपदा से भरपूर क्षेत्र है। सड़क चौड़ीकरण से किसानों को मंडियों तक पहुँच आसान होगी, माल परिवहन की लागत घटेगी। बेहतर कनेक्टिविटी से पर्यटन, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, यात्रा समय कम होगा और सड़क सुरक्षा में सुधार आएगा। यह परियोजना नर्मदापुरम व बैतूल जिलों के बीच आर्थिक सेतु बनेगी, जिससे स्थानीय रोजगार के नए अवसर खुलेंगे।

बेमौसम बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंता

असमय बारिश से किसानों की फसल को भारी नुकसान

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में हो रही असमय बारिश से किसानों की तैयार खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है। जिन किसानों की गेहूं की फसल कटाई के लिए तैयार थी, उन्हें सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश और तेज हवा के कारण कई खेतों में गेहूं की फसल आड़ी (लेट) हो गई है, जिससे उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। किसान बृजेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि अचानक हुई बारिश से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है। उन्होंने कहा कि पककर तैयार गेहूं की फसल पर बारिश का पानी गिरने से दाना फूल जाता है और उसकी गुणवत्ता खराब हो जाती है। इससे किसानों को उचित मूल्य मिलने में भी कठिनाई हो सकती है।

अनाज के बोरे लेकर बिजली कार्यालय पहुंचे किसान, बोले- सरकार तो नहीं खरीद रही आप ही इन्हें रखकर वसूली कर लो

सिरोंज। बकाया वसूली के लिए बिजली कंपनी के सख्ती से परेशान कई किसान शनिवार को अनाज से भरे बोरे लेकर लिंक रोड स्थित बिजली कंपनी के कार्यालय पर पहुंच गए। किसान नेता सुरेंद्र रघुवंशी के नेतृत्व में बिजली कंपनी के कार्यालय पर पहुंचे। किसानों ने जमीन पर बैठकर कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। किसानों का कहना था कि गेहूं की उपज आ गई है लेकिन अभी तक सरकार ने समर्थन मूल्य पर उपज की खरीदी शुरू नहीं की है। इस वजह से वह अपनी उपज नहीं बेच पा रहे। इधर कृषि उपज मंडी में किसानों की उपज को सही दाम नहीं मिल पा रहे। इसी बीच बिजली कंपनी द्वारा ग्रामीण इलाकों में बकाया वसूली की जा रही है। जिसमें बिजली कंपनी के लाइन मेन और अफसर बंदूकधारी के साथ किसानों के यहां वसूली करने पहुंच रहे हैं। ये लोग बकाया भुगतान नहीं करने पर लाइन काट रहे हैं। जबकि इन दिनों सब्जी और प्याज की फसल को पानी की आवश्यकता है लेकिन बिजली नहीं होने के कारण किसान इन फसलों में पानी नहीं दे पा रहे। जिससे यह फसल बर्बाद होने की स्थिति में पहुंच गई है। किसानों का कहना था की सरकार तो समर्थन मूल्य पर हमारी उपज नहीं खरीद रही लेकिन यदि बिजली कंपनी चाहे तो अनाज के बोरों को रखकर अपनी बकाया वसूली कर सकती है। नारेबाजी के बीच ही बिजली कंपनी के अफसर मौके पर पहुंचे और किसानों से बकाया बिजली बिल की वसूली की प्रक्रिया 1 महीने तक शिथिल करने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने अपना प्रदर्शन खत्म किया।

किसान का वीडियो वायरल

भाजपा नेता को रास्ते की जमीन का कब्जा दिलाने का आरोप

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले में एक एसडीएम पर किसान ने गंभीर आरोप लगाए हैं। किसान का आरोप है कि एसडीएम ने भाजपा नेता को रास्ते की जमीन का कब्जा दिलाया है। किसान ने एक वीडियो बनाकर एसडीएम पर ये आरोप लगाए हैं। वीडियो में किसान शराब की बोतल और जहर की शीशी भी लिए हुए है और आत्महत्या करने की बात कह रहा है। किसान का वीडियो वायरल होने के बाद जिले के अफसरों में हड़कंप मच गया और परिवार सहित पुलिस उसकी तलाश में जुट गई। किसान बेहोशी की हालत में कार में मिला है जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ब्यावरा के मलावर के खेड़ी गांव में रहने वाले किसान बलबहादुर सिंह चौहान ने शनिवार को एक 6 मिनट 36 सेकंड का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया। वीडियो में किसान आम रास्ते पर कथित कब्जे के विरोध में एक किसान द्वारा जहर खाकर खुदकुशी करने की बात कह रहा है। किसान का आरोप है कि मलावर-जामी रोड के आम रास्ते पर भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष व भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष लखन सिंह सौंधिया मकान बना रहे हैं और ब्यावरा एसडीएम ने उन्हें जमीन का कब्जा दे दिया है। किसान का वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया और परिवार के लोग व पुलिस किसान की तलाश में जुटी। आखिरकार किसान अपनी कार में एबी रोड पर कालीपीठ जोड़ के पास बेहोशी की हालत में मिला। परिजन व पुलिस उसे लेकर तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचे और भर्ती कराया है। जहां पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

एचपीवी टीकाकरण अभियान पर दिया जोर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

राज्य एवं जिला स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुसार सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 से 15 वर्ष की किशोरी बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण जारी है। इसी अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ब्लॉक स्तर पर टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई बैठक का आयोजन अनुविभागीय अधिकारी एसडीएम अनुभा जैन की अध्यक्षता में किया गया।

इस दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमेंद्र तिवारी, अस्पताल सह अधीक्षक डॉ. रविन्द्र चिड़ार, शिक्षा विभाग के बीईओ परता अहिरवार, बीईईबीएस बीएस दांगी, बीपीएम कपिल कांत जैन तथा बीसीएम मधु रामपुरी सहित ब्लॉक बासौदा के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे। बैठक में बीएमओ डॉ. प्रमेंद्र तिवारी ने सर्वाइकल कैंसर (बच्चादानी के मुंह का कैंसर) के कारण, लक्षण तथा बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं में यह कैंसर तेजी से फैलने वाली दूसरी सबसे बड़ी बीमारी बन चुकी है, जिससे बचाव के लिए एचपीवी टीका पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी उपाय है। उन्होंने सभी से अपील की कि इस टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। इसके बाद एसडीएम अनुभा जैन ने सभी प्राचार्यों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विद्यालयों में अध्ययनरत 14 से 15 वर्ष की किशोरी बालिकाओं तथा उनके अभिभावकों को जागरूक कर शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करें, ताकि इस गंभीर बीमारी से प्रभावी बचाव किया जा सके। बैठक में सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने पर सहमति व्यक्त की गई।

विधायक ने अव्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी कॉलेज में व्यवस्थाएं सुधारने के दिए दिशा-निर्देश

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नगर के प्रमुख स्थलों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मूलभूत सुविधाओं में मिली कमियों पर नाराजगी जताते हुए उन्हें तत्काल सुधारने के निर्देश दिए। विधायक ने एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य अधिकारियों के साथ महाराणा प्रताप बस स्टैंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बस स्टैंड पर साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, यात्रियों के बैठने की सुविधा और अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं को देखा गया। इस दौरान बस स्टैंड पर बंद पड़ी प्याऊ को लेकर विधायक ने असंतोष व्यक्त किया और उसे तुरंत शुद्ध ठंडे पानी के साथ चालू कराने के निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बस स्टैंड परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा गर्मी के मौसम को देखते हुए यात्रियों के लिए पेयजल, छाया और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विशेष प्रबंध किया जाए। साथ ही इन व्यवस्थाओं की समय-समय पर निगरानी करने के भी निर्देश दिए। इसके बाद विधायक ने सुभद्रा देवी कन्या महाविद्यालय पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने महाविद्यालय भवन, कक्षाओं, खेल मैदान, पुस्तकालय, प्रयोगशाला और अन्य सुविधाओं का अवलोकन कर कॉलेज प्रबंधन से जानकारी प्राप्त की। विधायक ने प्राचार्य एवं स्टाफ को निर्देशित किया कि महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ गैर शैक्षणिक व्यवस्थाओं को भी बेहतर बनाया जाए, ताकि छात्राओं को बेहतर वातावरण मिल सके। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों और कॉलेज प्रबंधन को आवश्यक सुधार कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

मंडी में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी को लेकर धरना, अधिकारी पहुंचे

रतलाम। दोपहर मेट्रो

समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की बढ़ती तारीखों से नाराज किसानों ने शनिवार को महू-नीमच रोड कृषि उपज मंडी में धरना प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। किसान पैदल ज्ञापन के लिए मंडी से कलेक्टोरेट पहुंचने वाले थे, इसके पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ही मंडी पहुंच गए और किसानों के साथ शेड में बैठकर चर्चा कर ज्ञापन लिया।

किसानों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि गेहूं की खरीदी तत्काल की शुरू की जाए, बैंक ऋण जमा करने की तिथि में वृद्धि की जाए, ताकि डिफाल्टर होने से किसान बचें। खाता-खसरा सुधार के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविर लगाए जाए। न्यूनतम समर्थन मूल्य के आधार पर किसानों की फसलों के लिए ठोस कानून बनाए जाए आदि मांगों को लेकर किसानों ने शनिवार दोपहर महू-नीमच रोड कृषि उपज मंडी के प्लेटफार्म नंबर 4 पर धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों ने रैली नहीं निकाली, धरना स्थल पर ही ज्ञापन दिया। प्रदर्शन के दौरान तहसीलदार ऋषभ ठाकुर और एसएलआर रामचंद्र पांडे, मंडी सचिव किशोरकुमार नरगावे ने धरना स्थल पर पहुंचकर किसानों से चर्चा की। किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम लिखे ज्ञापन के माध्यम से बताया कि वर्तमान निर्णय किसानों के हितों के विपरीत प्रतीत हो रहे हैं, अन्याय हो रहा है। इससे उन्हे परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। तहसीलदार ने उनकी बात सुनी और ज्ञापन लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर प्रदेश सरकार तक पहुंचाने की बात कही। इस दौरान किसान नेता संदीप पाटीदार मांगरोल, सोहनलाल पाटीदार धराड़, राजेश पुरोहित करमदी, समरथ पाटीदार मथुरी, चंद्रपालसिंह सिखेड़ी, अर्जुनसिंह, संजय सिरवी, भगवतलाल, दिनेश, दीपक कुमाती, दीपक पाटीदार, गौरव प्रजापत आदि बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

बैठक में वक्ता बोले-अधिकारों के लिए मिलकर लड़ेंगे

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

ओबीसी एकता परिषद जिला विदिशा की बैठक स्थानीय मैरिज गार्डन में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन के जिला अध्यक्ष रविंद यादव फौजी, महासचिव उमराव कुशवाह एवं नीरज कुशवाह आदि पदाधिकारी उपस्थित हुए। वक्ताओं ने बताया कि ओबीसी में आने वाली जातियों का एक जिला स्तरीय संगठन तैयार किया है। जो ओबीसी वर्ग के अधिकारों और सम्मान के लिए संघर्ष करेगा। बैठक में सिरोंज तहसील अध्यक्ष राकेश कुशवाह को बनाया गया। इस दौरान अन्य उपस्थित लोगों ने भी अपने विचार रखें। उन्होंने ओबीसी के हक एवं अधिकार की बात करते हुए मध्यप्रदेश में 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करवाने की बात कही। सभी ने अपनी मांगों को लेकर संगठित होकर काम करने का संकल्प भी लिया। इस दौरान बुंदेल सिंह कुशवाह, लालू यादव, मुन्नालाल कुशवाह, भूरा, मिथुन, भीमराव कुशवाह, रामबाबू कुशवाह, तिलक यादव और अजय कुशवाह आदि उपस्थित रहे।

सर्वब्राह्मण महापंचायत की आवश्यक बैठक आज

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

आगामी 20 अप्रैल को भगवान श्री परशुराम जयंती की शोभायात्रा एवं अन्य आयोजन को लेकर सर्व ब्राह्मण महापंचायत की अति आवश्यक बैठक आज शाम 6 बजे श्री रामलला सरकार मंदिर परिसर में रखी गई है जिसमें आगामी जयंती के बारे में विचार विमर्श किया जायेगा सर्व ब्राह्मण महापंचायत के अध्यक्ष गोपालप्रसाद शर्मा ने सभी सामाजिक सदस्यों से बैठक में उपस्थित होकर आयोजन के संबंध में विचार विमर्श करने का आग्रह किया है।

मेट्रो एंकर

फोटोबाजी की भेंट चढ़ा जल गंगा संवर्धन अभियान

बदहाली पर आंसू बहा रहे जलस्रोत, जगह-जगह लगे कचरे के ढेर

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले में बड़े तामझाम के साथ 19 मार्च से शुरू हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान धरातल पर उतरने से पहले ही सोशल मीडिया की तस्वीरों और सरकारी फाइलों में दम तोड़ता नजर आ रहा है। प्रशासन का दावा है कि 30 जून तक चलने वाले इस अभियान से जिले में जल संरक्षण की नई लहर आएगी, लेकिन अभियान के दो सप्ताह से अधिक बीत जाने के बाद भी जमीनी हकीकत इसके उलट है। जिला मुख्यालय के मुख्य जलस्रोत आज भी गंदगी से बजबजा रहे हैं, जो प्रशासन के खोखले दावों की पोल खोल रहे हैं।

अभियान की विडंबना देखिए कि पांडवनगर स्थित जनप्रतिनिधियों के आवास के समीप बने तीन तालाब अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे हैं। घर का कचरा सीधे इन जलस्रोतों में समा रहा है। जिस पानी को सहेजने का संकल्प लिया गया था, वह आज कचरे के ढेर में तब्दील हो चुका है। जब शहर के सबसे रसूखदार इलाकों में यह हाल है, तो दूरदराज के ग्रामीण अंचलों में कागजी सफाई का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

प्रशासन हर दिन ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई के भारी-भरकम आंकड़े पेश कर रहा है, लेकिन मुख्यालय की स्थिति इन आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगाती है। यदि समय रहते इन जलस्रोतों का वास्तविक जीर्णोद्धार और गहरीकरण नहीं किया गया, तो आने वाला ग्रीष्मकाल जिले के लिए भीषण जल संकट लेकर आएगा। केवल फोटो खिंचवाने से जल क्रांति नहीं आएगी, इसके लिए ठोस इच्छाशक्ति और धरातल पर काम की आवश्यकता है। शनिवार को की गई पड़ताल में सामने आया कि सफाई के नाम पर सिर्फ छलावा किया गया है। जल की एक-एक बूंद बचाने का संकल्प लेने वाला प्रशासन महज औपचारिकता निभा रहा है। जनप्रतिनिधि और अधिकारी फोटो खिंचवाने तक सीमित हैं, जबकि जलस्रोत नारकीय स्थिति में हैं।

मोहनराम तालाब: कुछ दिन पूर्व यहां सफाई का दावा किया गया था, लेकिन आज घाटों पर कचरे का अंबार लगा है। नगरीय प्रशासन की गंभीरता का आलम यह है कि सफाई के तुरंत बाद फिर से गंदगी पसरी हुई है।

लल्लू सिंह तिराहा तालाब: यहां भी हाल ही में अभियान चलाया गया था, लेकिन वर्तमान में यह तालाब चारों तरफ से गंदगी से घिरा हुआ है। काफी समय से इस तालाब की सफाई की मांग की जा रही है।

तालाब के चारों ओर गंदगी: पांडव नगर पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने जिस तालाब में अंतिम संस्कार के बाद जो कार्यक्रम किए जाते हैं, वहां अब गंदगी का अंबार है। चारों तरफ बड़ी-बड़ी झाड़ियां उगी हुई है।

आधा अधूरा सौंदर्यीकरण: विधायक निवास के ठीक पीछे तालाब में गंदगी का अंबार है, इस तालाब का सौंदर्यीकरण के तहत तालाबाके चारो तरफ पिचिंग किया जा रहा था जो अभी आधा अधूरा पड़ा है।

न्यूज विंडो

कैलाश खेर के गीतों से आज तीन दिवसीय खुरई डोहेला महोत्सव का शुभारंभ

सागर। देश के दिग्गज सिने गायकों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजे तीन दिवसीय खुरई डोहेला महोत्सव-2026 का शुभारंभ आज शाम छह बजे से होगा। खुरई के एतिहासिक किला मैदान में होने वाले इस कार्यक्रम के पहले दिन प्रसिद्ध पार्श्वगायक कैलाश खेर इस आयोजन में अपनी प्रस्तुति देंगे। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह द्वारा 11 वर्ष पहिले आरंभ किए गए तीन दिवसीय डोहेला खुरई महोत्सव में अभी तक बालीवुड के ख्यातिप्राप्त शीर्षप्लेबैक सिंगर, भजन गायक और कुमार विश्वास जैसे कवि अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। कार्यक्रम के आरंभ व समापन पर होने वाली रंगारंग आतिशबाजी का एक अलग ही आकर्षण होता है। भूपेन्द्र सिंह ने इस आयोजन को बुंदेलखंड व प्रदेश का प्रमुख आयोजन बनाने के लिए अनेक स्तरों पर निरंतर परिश्रम करके इस आयोजन को व्यवस्थित व गरिमापूर्ण बनाया है। उन्होंने आयोजन स्थल खुरई किले तथा इससे सटे हुए तालाब व डोहेला जल मंदिर के सौंदर्यीकरण पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया और इस स्थान को एक प्रमुख पर्यटन स्थल बना दिया। दर्शकों को बैठने के लिए तमाम इंतजाम किए गए हैं. किले के भीतर स्थित मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया, डोहेला परिसर स्थित कुंड में आकर्षक प्रकाश संयोजित फाउंटेन लगाए गए, पार्क तथा ग्रीन ग्रास से पूरे मैदान को सज्जित किया गया। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह ने प्रसिद्ध कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लेने हेतु स्वागत किया है। प्रशासन ने आयोजन हेतु पार्किंग, बैठक व्यवस्था, पेयजव, सुरक्षा जैसे सभी प्रकार के व्यापक इंतजाम किए हैं।

ग्रामीणों में दहशत: वन अमले ने ग्रामों में मुनादी कराकर किया सतर्क, कॉलर आईडी से कर रहे पता

बाघिन मस्तानी एन-6 ने तेन्दूखेड़ा के जंगल में डाला डेरा, चार बीटों में मिल रही लोकेशन

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बीते वर्ष 4 फरवरी 2025 को पेंच टाइगर रिजर्व से वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में छोड़ी गई बाघिन मस्तानी ने दूसरी बार फिर दमोह जिले की ओर अपना मूवमेंट कर लिया है। वह पिछले 2 दिन से तेंदूखेड़ा ब्लॉक के जंगलों में घूम रही है, जिसकी निगरानी और खोजबीन में पूरा वन अमला लगा हुआ है और ग्रामीण क्षेत्रों में वन विभाग द्वारा लोगों को जंगल नहीं जाने का अलर्ट किया गया है। बता दें कि 4 फरवरी 20256 को बाघिन मस्तानी एन 6 पेंच टाइगर रिजर्व में जंगली सूअर का शिकार करते समय कुएं में गिर गई थी। जिसका रेक्स्यू करने के बाद वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में छोड़ा गया था। बाघिन नौरादेही अभ्यारण की रेंजों में लगातार शिकार करती रही, लेकिन 20 दिन बाद वह तेंदूखेड़ा के जंगल में घूमती रही। इसके बाद एक सप्ताह तक क्षेत्र के जंगल में मूवमेंट करने के बाद रेस्क्यू कर सुरक्षित उसे टाइगर रिजर्व में ले जाकर सुरक्षित छोड़ा गया, उस समय वह पहली बार नौरादेही अभ्यारण्य से निकलकर झलौन तेंदूखेड़ा के जंगल में एक हफ्ते तक चहलकदमी करती रही। उस समय अधिकारियों को लगा था कि बाघिन अब यही रुकेगी।

सूत्र बताते है कि वह मस्तानी नामक बाघिन है जो एक साल पहले ही पेंच टाइगर रिजर्व से नौरादेही लाई गई थी वह अपना स्थान बदलती रहती है। एक साल पहले भी उसकी लोकेशन तारादेही वन परिक्षेत्र के जंगलों में थी फिर तेंदूखेड़ा और झलौन के जंगलों में मिल रही थी यह दूसरी बार है जब बाघिन नौरादेही अभ्यारण्य से निकलकर तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र के जंगलों में मिल रही है। तेंदूखेड़ा वन विभाग को सूचना मिलते ही अलर्ट हो गया है। उधर जानकारी लगते ही वन अमले द्वारा खोजबीन शुरू करने के साथ उन ग्रामों में मुनादी करानी शुरू कर दी है, जिनके पास लोकेशन मिल रहीं थी। देर रात तक तेंदूखेड़ा सहित आसपास का वन अमला बाघिन के होने की मुनादी तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र के ग्रामो में करता रहा है।

टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह ने बताया गया बाघिन एन 6 है जो कि टाइगर रिजर्व तेन्दूखेड़ा क्षेत्र के जंगल में पहुंच चुकी है, जिसकी खोजबीन में टीम लगी हुई है ग्रामों में मुनादी इसलिए कराई गई है। कभी महुआ का सीजन चल रहा है और लोग महुआ बीनने के लिए अंधेरे में जंगल जाने लगते हैं लोगों से अपील है कि वह महुआ बीनने सुबह जाए और महुआ बीनने के साथ कुछ लोग एक साथ जंगल जाए एक दूसरे से बातें करते हुए क्योंकि बाघिन एन-6 खतरनाक है।

इस संबंध में तेन्दूखेड़ा वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रेयांश जैन ने बताया कि सूचना मिली थी कि टाइगर रिजर्व से बाघिन एन 6 तेन्दूखेड़ा के जंगल में पहुंच चुकी है और 4 बीटों में लोकेशन होना पाया गया है सूचना मिलते ही टीम ने जंगल के अंदर बसें और सटे ग्रामों में मुनादी कराई गई है। लोगों को सावधान रहने और बाघ बाघिन दिखाई देने की सूचना वन विभाग को देने कहा गया है। साथ ही जंगल में महुआ बीनने सुबह जाने को कहा गया है। वन विभाग की टीम अलर्ट है।

यहां घूम रही है बाघिन एन-6

शनिवार की सुबह टाइगर रिजर्व से दमोह व तेंदूखेड़ा रेंज में सूचना मिली थी कि बाघिन एन 6 की लोकेशन तेंदूखेड़ा के जंगल में मिल रही है। सूचना मिलते ही तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र का वन अमला बाघिन की निगरानी में लगा है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में बाघिन के प्रति लोगों को जागरूक कर रहा है। सूत्रों अनुसार शनिवार को बाघिन एन-6 की लोकेशन तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र के केवलारी धनगौर बहेरिया और तिपनी बीट में होना पाया गया है। वन अमला चारों बीट से सटे ग्रामों में मुनादी कराने के साथ ही जंगल में गश्ती करता रहा, जिससे बाघिन को किसी भी तरह का खतरा ना हो बाघिन की सूचना मिलते ही वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व का स्टॉफ भी वाहन के साथ मौजूद है, जो बाघिन की लोकेशन में लगा है।

महुआ बीनने जंगल ना जाए

क्षेत्र के जंगल में बाघिन होने की जानकारी जैसे ही गांवों में फैली तो ग्रामीण दहशत में आ गए है। वन विभाग द्वारा एक दर्जन ग्रामों में सतर्क रहने के लिए कहा गया है। लोगों का कहना है कि ग्रामीण दहशत में है और रात 8 बजे के पहले ही अपने घरों में कैद हो जाते हैं। जंगलों में महुआ बीनने वालों ने भी जाना बंद कर दिया है। यहां के उमरिया, धनेटा, मोहड़, तिपनी, डुकरसता, घुटरिया, बगदरी बहेरिया धनगौर केवलारी सहित आसपास के ग्रामों के लोग सूरज ढलते ही घरों के दरवाजे बंद कर कैद हो जाते हैं और वन विभाग द्वारा जंगल में महुआ नहीं बीनने नहीं जाने की बात कहीं है।

जमीन विवाद में पथराव, डंडे-हथियार भी चले, 8 गंभीर

झाबुआ। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के झाबुआ जिले के राणापुर में जमीन विवाद के चलते दो गुटो मे हिंसक झड़प हो गईं। बताया जा रहा है कि, एक ही कॉलोनी में रहने वाले दो परिवारों के बीच बीते कई दिनों से जमीनी विवाद के चलते कहासुनी हो रही थी। ये भी सामने आया कि, बीते दो दिनों से दोनों गुटों के बीच तनातनी का मामला तूल पकड़ रहा था, आज अचानक से हिंसक हो गई। देखते ही देखते विवाद इस कदर बढ़ा कि, दोनों तरफ से पथराव शुरु हो गया। यही नहीं, दोनों गुटों ने एक दूसरे पर जमकर डंडे और हथियार भी बरसाए। घटना के चलते इलाके में दहशत फैल गई।

इस हिंसक झड़प के कुछ वीडियोज रविवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होते नजर आए। सामने आई तस्वीरों में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर पत्थर, डंडे और हथियारों से हमला करते नजर आए। वीडियो झड़क के बीच फंसे स्थानीय लोगों द्वारा बनाए गए हैं। इधर, घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बल पूर्वक कार्रवाई करते हुए हिंसक भीड़ को तितर - बितर कर हालात को काबू में लिया।

बताया जा रहा है कि, इस हिंसक झड़प में दोनों पक्षों के करीब 12 से अधिक लोग घायल हुए हैं, इनमें से 8 की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, घटना के बाद दोनों पक्ष थाने पहुंच गए। पुलिस ने हालात को समझते हुए दोनों गुटों की ओर से काउंटर केस डलवाकर दोनों पक्षों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है। फिलहाल, मौजूदा समय में हालात सामान्य है, फिर भी ऐतियातन कॉलोनी के आस - पास एवं घटना स्थल पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं, दूसरी तरफ पुलिस सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि, माहौल खराब करने वाले किसी को व्यक्ति को बक्शा नहीं जाएगा

बारिश और ओलावृष्टि ने बिगाड़ दी फसलों के सेहत

सागर। दोपहर मेट्रो

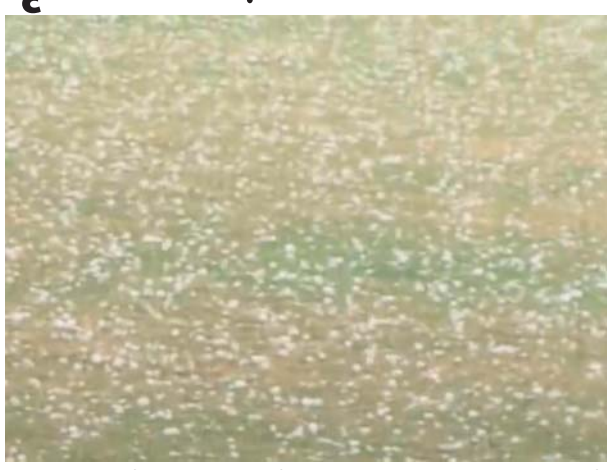

बदला मौसम का मिजाज किसानों और खेतों में खड़ी फसलों पर आफत बन गया है. शनिवार को दिन भर बादलों की आवाजाही के बाद शाम को तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। साथ ही ओलावृष्टि भी हुई। देर रात एक बार फिर आंधी,पानी के साथ बेर के आकार के ओले गिरे। बे-मौसम बरसात ने चना,गेंहू की फसल के साथ सब्जियों की सेहत बिगाड़ दी है. किसान भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं। सागर जिले में सागर, जैसीनगर, गौरझामर आदि क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी रहा।

आंधी और बारिश के चलते बिजली भी गुल होती रही। कई इलाकों में अंधेरा छाए रहने की सूचनाएं भी मिलती रहीं। हालांकि ठंडी हवा चलने से गर्मी से राहत मिली।

विधायक ने रक्षा मंत्री से की मुलाकात

छावनी की भूमि का मालिकाना हक राज्य सरकार या निकाय को हस्तांतरित करें: लारिया

सागर। दोपहर मेट्रो

नरयावली विधायक इंजीनियर प्रदीप लारिया ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट कर विधानसभा क्षेत्र के विकास से जुड़े दो अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने रक्षा मंत्री को पत्र सौंपकर जनहित में त्वरित कार्यवाही का अनुरोध किया। विधायक लारिया ने सागर छावनी परिषद के नगरीय निकाय में विलय की प्रक्रिया पर चर्चा करते हुए रक्षा मंत्री का ध्यान भूमि स्वामित्व की तकनीकी अड़चनों की ओर आकर्षित किया। उन्होंने आग्रह किया कि विलय के उपरांत भूमि का मालिकाना हक राज्य सरकार या निकाय को हस्तांतरित किया जाए, ताकि क्षेत्र में जनकल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचे का विकास निर्बाध रूप से हो सके। उन्होंने सुरक्षा मानकों का सम्मान करते हुए कृषि और बंगला क्षेत्रों को भी विलय प्रक्रिया में शामिल करने का अनुरोध किया। मुलाकात का दूसरा मुख्य बिंदु डिम्पल पेट्रोल पंप के पास, बीना-कटनी रेलवे गेट नंबर-25 पर सड़क ऊपरी पुल का निर्माण रहा। विधायक ने अवगत कराया कि यह मार्ग यातायात की दृष्टि से अत्यधिक व्यस्त है और यहां फ्लाईओवर की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा रक्षा मंत्रालय के पोर्टल पर आवेदन पूर्व में ही किया जा चुका है। लारिया ने जनहित में इस परियोजना को शीघ्र अनुमति प्रदान करने का आग्रह किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विधायक द्वारा सौंपे गए पत्र एवं उठाए गए दोनों विषयों को गंभीरता से सुना और विभागीय स्तर पर उचित समीक्षा कर सकारात्मक कार्यवाई हेतु आश्वस्त किया।

संगठन के सदस्यों का आरोप-दुकान शिफ्ट होने के पहले ही बेची जा रही शराब

कमरे में रखी शराब को बताया अवैध सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर किया सील

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक स्थित झलौन गांव में भगवती मानव कल्याण संगठन के सदस्यों ने एक कमरे में रखी शराब को अवैध बताते हुए पुलिस को सूचना दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कमरे को सील कर दिया। यह घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है, जिसका वीडियो शनिवार दोपहर सामने आया संगठन के सदस्यों ने आरोप लगाया कि शराब ठेकेदार द्वारा दूसरी जगह दुकान शिफ्ट होने से पहले ही एक कमरे में अवैध शराब रखकर बेची जा रही थी। संगठन के सदस्य चंद्र प्रताप ने बताया कि झलौन में पुरानी शराब दुकान अभी तक शिफ्ट नहीं हो पाई है, जिसे आबकारी विभाग ने पहले ही सील कर दिया था चंद्र प्रताप के अनुसार, नई जगह पर दुकान खोलने में कुछ आपत्तियां सामने आई हैं, हालांकि वहां बोर्ड और काउंटर बन गए हैं। उन्होंने दावा किया कि ठेकेदार के कार्यालय में यह शराब छिपाकर रखी गई थी और बेची जा रही थी। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि ठेकेदार को अभी शराब बेचने की अनुमति नहीं थी, केवल परिवहन की अनुमति थी संगठन के सदस्यों ने कहा कि नए ठेके के स्थानांतरण के दौरान आबकारी विभाग स्वयं दुकान शिफ्ट कराता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं किया गया। उनका दावा है कि यह पूरी शराब अवैध रूप से रखी गई थी। हालांकि, आबकारी विभाग ने इस आरोप का खंडन करते हुए कहा है कि शराब लाइसेंसी है और अवैध नहीं है। मौके पर काफी देर तक हंगामा चलता रहा और शराब दुकान के कर्मचारियों से विवाद की स्थिति भी बनी संगठन के लोगों ने इसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल किया सूचना मिलते ही तेंदूखेड़ा पुलिस भी मौके पर पहुंची और संगठन के लोगों के कहने पर कमरे को सील किया गया पुलिस का कहना था कि शराब जप्त करने का अधिकार उनके पास नहीं है।

कटाई से पहले बारिश का खतरा

अचानक बदले मौसम ने बढ़ाई किसानों की चिंता

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में पिछले तीन-चार दिनों से मौसम में अचानक आए बदलाव और लगातार हो रही बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। विशेष रूप से उन किसानों की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जिनकी गेहूं की फसल अभी खेतों में कटाई के लिए तैयार खड़ी है। शनिवार सुबह से हुई बारिश ने नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को गहरी चिंता में डाल दिया है। स्थानीय किसान महेश कुमार, बेड़ीलाल एवं पूरन साहू सहित अनेक किसानों ने बताया कि बीते एक-दो वर्षों से वे पहले ही आर्थिक संकट और प्राकृतिक परिस्थितियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में फसल कटाई के समय हो रही बारिश उनके लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला इसी प्रकार जारी रहा तो गेहूं की फसल को भारी नुकसान हो सकता है, जिससे उनकी आय पर गंभीर असर पड़ेगा। किसानों ने यह भी बताया कि गेहूं की फसल इस समय पूरी तरह तैयार है और कटाई के लिए उपयुक्त स्थिति में है, लेकिन बारिश के कारण कटाई कार्य बाधित हो रहा है। इससे न केवल उत्पादन प्रभावित होगा, बल्कि फसल की गुणवत्ता में भी गिरावट आने की आशंका है। किसानों का कहना है कि लगातार प्राकृतिक आपदाओं के कारण आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है।

मेट्रो एंकर स्कूल चलें हम अभियान के तहत भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित

अधिकारियों ने शिक्षक बनकर छात्रों को किया प्रेरित

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी अभियान स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 4 अप्रैल को विभिन्न शासकीय शालाओं में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रेरित करने, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने तथा शिक्षा के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ अधिकारी, समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व एवं प्रबुद्ध जन विद्यालयों में पहुंचे और विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने शिक्षक की भूमिका निभाते हुए कक्षा ली तथा अपने जीवन के अनुभव साझा कर विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों से उनके भविष्य के लक्ष्यों–जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी आदि–के बारे में चर्चा की गई तथा उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विकासखंड के अंतर्गत नगर से लगभग 2 किलोमीटर दूर स्थित पीएमश्री शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला बम्होरी पांजी में भी कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रिटायर्ड शिक्षक के सी सेन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रेरक उद्बोधन से हुई, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री भी स्वैच्छिक रूप से वितरित की गई। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका श्रीमती सीमा दुबे शिक्षको मै रवि लोधी, श्रीमती मीना नामदेव, श्रीमति दुर्गेश दुबे, श्रीमती रुक्मणी ठाकुर, श्रीमती रितु श्रीवास एवं श्रीमती रजनी लोधी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि ÷स्कूल चलें हम अभियान 1 से 4 अप्रैल 2026 तक संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य शासकीय विद्यालयों में नामांकन बढ़ाना, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना तथा विद्यार्थियों को एक बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करना है।

विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज

पायल ने शीतल को हराकर किया उलटफेर स्वर्ण पदक जीता

बैंकॉक। दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा चुकी युवा तीरंदाज पायल नाग ने यहां विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में बड़ा उलटफेर करते हुए हमवतन और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज शीतल देवी को हराकर स्वर्ण पदक जीता और भारत के शानदार प्रदर्शन की अगुआई की जिसमें देश ने कुल सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया। अठारह साल की उभरती हुई तीरंदाज पायल ने कंपाउंड महिला वर्ग के फाइनल में 139-136 से जीत हासिल की। भारत के लिए अभियान यादगार रहा जिसमें देश ने पांच रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल 16 पदक जीते। पायल की यह एक साल से थोड़े ज्यादा समय में शीतल पर दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने जनवरी 2025 में जयपुर में हुए पैरा राष्ट्रीय खेलों में भी शीतल को हराया था। पायल ने एक परफेक्ट 10 के साथ शुरुआत की और पहला दौर 27-25 से अपने नाम किया। इसके बाद शीतल ने वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। दूसरे दौर के बाद स्कोर 54-54 से बराबर था। तीसरे दौर में पायल ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा करते हुए दो बार 9 और एक बार 10 का निशाना लगाते हुए 82-80 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने आखिरी दौर में दो बार 10 का सटीक निशाना लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। शीतल के बचपन के कोच कुलदीप वेदवान से प्रशिक्षण लेने वाली पायल की अब तक की यात्रा किसी चमत्कार से कम नहीं रही है। ओडिशा के बोलांगीर जिले के एक प्रवासी मजदूर की बेटी पायल ने 2015 में ईंट-भट्ठे पर बिजली के एक नंगे तार के संपर्क में आने के बाद अपने दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा दिए थे। बिना हाथों वाली शीतल भारत की सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली पैरा तीरंदाज बन गई हैं। उन्होंने 2022 में एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण पदक जीते और पेरिस 2024 में मिश्रित टीम कांस्य पदक जीतकर भारत की सबसे कम उम्र की पैरालंपिक पदक विजेता बन गईं।

तोमन-भावना भी पहले स्थान पर

भारत के लिए तोमन कुमार और भावना ने भी अपनी स्पर्धाओं में पहला स्थान हासिल किया। तोमन ने कंपाउंड पुरुषों के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के जोनाथन मिल्ने को 146-142 से हराया जबकि भावना ने रिकर्व महिलाओं के फाइनल में थाईलैंड की फत्थराफोन पन्नावेओ को 6-0 से मात दी। दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता हरविंदर सिंह को रिकर्व फाइनल में इंडोनेशिया के खोलिडिन से 3-7 से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। वहीं स्वाति चौधरी ने भी रजत पदक जीता। उन्हें डब्ल्यू1 महिलाओं के स्वर्ण पदक मैच में दक्षिण कोरिया की ओके ग्यूम किम से 3-7 से हार का सामना करना पड़ा।

बांग्लादेश की अकल आई ठिकाने, बीसीबी ने बीसीसीआई से किया संपर्क

सीमित ओवर की सीरीज खेलने दिया प्रस्ताव, आईसीसी ने टी-20 विश्व कप से दिखा दिया था बाहर का रास्ता

नई दिल्ली , एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ संपर्क साधा है। बीसीबी ने दोनों देशों के बीच संबंध को सुधारने की पहल की है और इस साल सितंबर में सीमित ओवर सीरीज की सीरीज कराने का प्रस्ताव दिया है। मालूम हो कि बांग्लादेश ने भारत में सुरक्षा का हवाला देते हुए टी20 विश्व कप में खेलने से इनकार कर दिया था जिसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश टीम को इस टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया था।

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में आई थी खटास- यह माना जा रहा है कि बीसीबी के अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम बुलबुल का कार्यकाल जल्द खत्म होगा और अंतरिम बोर्ड भारतीय क्रिकेट बोर्ड के साथ सीरीज को लेकर चर्चा शुरू करेगी। बांग्लादेश में जब अंतरिम सरकार थी उस समय खेल मंत्रालय के सलाहकार और भारत विरोधी गतिविधियों के पहचाने जाने वाले आसिफ नजरुल का बीसीबी में दखल था। बीसीसीआई ने जब मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने का फैसला लिया तो नजरुल ने सुरक्षा का बहाना बनाकर राष्ट्रीय टीम भारत भेजने से मना कर दिया था। बीसीबी ने टी20 विश्व कप के मैच भारत के बजाए श्रीलंका कराने की मांग की थी, लेकिन आईसीसी ने भारत में सुरक्षा को खतरा नहीं माना था और बांग्लादेश की मांग खारिज कर दी थी।

बीसीसीआई ने की पुष्टि

भारत-बांग्लादेश क्रिकेट संबंध परंपरागत रूप से सौहार्दपूर्ण रहे हैं, लेकिन हाल के घटनाक्रमों के कारण इन रिश्तों में खटास आई है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, हां, बीसीबी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड को पत्र भेजा है। सितंबर में भारतीय पुरुष टीम का सीमित ओवर की सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा ही नहीं, बल्कि बीसीबी को अगले साल 50 ओवर के प्रारूप में एशिया कप की मेजबानी भी करनी है। समझा जाता है कि बीसीबी छह सीमित ओवर मैचों के लिए भारत की मेजबानी करने के लिए बेहद उत्सुकता दिखा रहा है क्योंकि इससे बोर्ड को काफी वित्तीय फायदा हो सकता है।

गुजरात पर भारी पड़े राजस्थान के रवि बिश्नोई-

चार सफलता, पहला POTM अवॉर्ड और छुआ 200 विकेट का ऐतिहासिक आंकड़ा

अहमदाबाद , एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को छह रनों से हराकर आईपीएल 2026 में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। राजस्थान की इस जीत के नायक रहे रवि बिश्नोई, जिन्होंने महत्वपूर्ण समय पर चार विकेट लेकर कहानी पलट दी। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड से नवाजा गया, लेकिन यह सिर्फ अवॉर्ड नहीं बल्कि उनकी वर्षों की मेहनत का फल है।

25 वर्षीय बिश्नोई 2020 से आईपीएल में खेल रहे हैं। पंजाब किंग्स के साथ शुरू हुआ सफर लखनऊ सुपर जाएंट्स के खेमे में होते हुए राजस्थान रॉयल्स तक पहुंच गया। इस सीजन उन्हें फ्रेंचाइजी ने नीलामी में 7.2 करोड़ रुपये में खरीदा। हर सीजन के साथ बिश्नोई घातक गेंदबाजी कर रहे और अपनी टीमों को जीत दिलाते रहे, लेकिन कभी प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड नहीं जीत सके। अब उनका यह सपना भी पूरा हो गया।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में उन्होंने 10.25 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की और चार विकेट झटके। उन्होंने साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया को पवेलियन भेजा। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड से नवाजा गया। छह वर्षों से बिश्नोई को इस सम्मान की तलाश थी, जो शनिवार को खेले गए मैच में पूरी हो गई।

साई सुदर्शन की शानदार फिफ्टी

रनचेज में गुजरात टाइटन्स की शुरुआत तो शानदार रही। कुमार कुशाग्र और साई सुदर्शन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 78 रन जोड़े। कुशाग्र ने 18 रन बनाए और उनका विकेट कप्तान रियान पराग ने लिया। फिर सुदर्शन के रूप में गुजरात टाइटन्स को बड़ा झटका लगा। सुदर्शन ने 44 गेंदों का सामना करते हुए 73 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और तीन छक्के शामिल रहे। सुदर्शन को स्पिनर रवि बिश्नोई ने आउट किया, जो इम्पैक्ट सब के तौर पर उतरे थे। रवि बिश्नोई ने इसके बाद ग्लेन फिलिप्स (3 रन) और वॉशिंगटन सुंदर (4 रन) को भी पवेलियन रवाना कर दिया। जबकि अच्छी बैटिंग कर रहे जोस बटलर (26 रन) भी नांद्रे बर्गर को अपना विकेट दे बैठे, जिसके चलते गुजरात टाइटन्स संकट में आ गई। रवि बिश्नोई ने इसके बाद राहुल तेवतिया को आउट किया, जो केवल 12 रन बना सके। शाहरुख खान 11 रन बनाकर रन आउट हो गए, जिससे गुजरात टाइटन्स का स्कोर 161/7 हो गया। यहां से कगिसो रबाडा (नाबाद 23 रन) और राशिद खान (24 रन) ने मैच को रोमांचक बनाया।

राजस्थान रॉयल्स की इनिंग्स

राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 6 विकेट पर 210 रन बनाए। राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत शानदार रही। वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के बीच पहले विकेट के लिए 70 रनों की साझेदारी हुई। वैभव सूर्यवंशी ने 18 गेंदों पर 31 रन बनाए, जिसमें 5 चौके के अलावा एक सिक्स शामिल रहा। वैभव को कप्तान राशिद खान ने अपनी फिरकी में फंसाया। वैभव के आउट होने के बाद यशस्वी ने ध्रुव जुरेल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 56 रन जोड़े।

अदिति भारतीय खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ, प्रणवी और अवनी ने भी कट में जगह बनाई

लास वेगास। भारत की शीर्ष खिलाड़ी अदिति अशोक ने अरामको गोल्फ चैंपियनशिप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा जबकि प्रणवी उर्स और अवनी प्रशांत ने भी कट में जगह बनाई। हीरो महिला इंडियन ओपन सहित पांच बार की एलईटी विजेता अदिति ने दूसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर लीडरबोर्ड में शीर्ष 15 में जगह

बनाई। पहले दौर में उन्होंने 73 का स्कोर बनाया था। कट हासिल करने वाली अन्य दो भारतीय खिलाड़ी प्रणवी (76-75) और अवनी (75-76) हैं। यह दोनों सात ओवर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 59वें स्थान पर हैं। दीक्षा डागर का खराब प्रदर्शन दूसरे दौर में भी जारी रहा। उन्होंने छह ओवर 78 का स्कोर बनाकर कुल नौ ओवर पार का स्कोर हासिल किया और इस तरह से वह कट में जगह नहीं बना सकी। पहले दिन उन्होंने तीन ओवर 75 का स्कोर बनाया था।

कोचर खिसके, लेकिन शीर्ष पांच में बरकरार

चीबा। भारतीय गोल्फर करणदीप कोचर ने शनिवार को यहां इंटरनेशनल सीरीज जापान के तीसरे दौर में 73 का कार्ड खेला जिससे वह खिसककर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए। पहले दो दिन कोचर ने बोगी मुक्त 67 और 65 के कार्ड खेले थे। तीसरे दिन हवा भरे दिन में वह पांच बोगी कर बैठे और तीन बर्डी ही लगा सके। अब वह आठ अंडर के स्कोर से संयुक्त चौथे स्थान पर हैं जबकि दूसरे दौर के बाद वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए थे। कोरिया के होंगटाएक किम ने लगातार तीसरे दिन अपनी एकल बढ़त बनाए रखी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कॉन्ट्रोवर्सी से घिरने के बाद साथ आए बादशाह-नोरा फतेही , रिलीज हुआ 'सजन रे' गाना

बीते महीने मार्च में बॉलीवुड के दो आर्टिस्ट रैपर बादशाह और एक्ट्रेस नोरा फतेही अचानक तब सुर्खियों में आए थे, जब उनके गानों पर काफी विवाद हुआ था। जहां बादशाह अपने टटीरी गाने से मुसीबत में फंस गए थे, वहीं नोरा के आइटम सॉन्ग सरके तेरी चुनर पर बवाल खड़ा हो गया था। दोनों ने विवाद पर अपनी-अपनी माफी भी मांगी थी। अब बादशाह और नोरा एक साथ नए गाने में नजर आए हैं। बादशाह-नोरा का नया गाना सजन रे 3 अप्रैल यानी कल के दिन रिलीज हुआ। 24 घंटे में इसे यूट्यूब पर करीब 6 मिलियन लोगों ने देख लिया है। ये एक देसी हिप-हॉप गाना है, जिसे एक एनर्जेटिक पार्टी सॉन्ग के नाम से भी

बुलाया जा रहा है। गाने की खासियत ये है कि इसमें बादशाह के साथ-साथ नोरा की भी आवाज है। एक्ट्रेस ने दूसरी बार कोई गाना गाया है। इससे पहले वो टेटेमा गाने को गा चुकी हैं। ये गाना इंडियन-पॉप कल्चर को दर्शाता है, जिसमें नोरा और बादशाह की जोड़ी एक बार फिट हिट होती दिखी है। सजन रे गाने को बादशाह और नोरा के साथ-साथ संजॉय ने लिखा है। इस गाने को मुंबई की गलियों से लेकर दिल्ली की सड़कों में शूट किया गया है। बादशाह ने अपने रैप से भी गाने को एक लेवल ऊपर उठाया है। फैंस को उनकी इस नई शुरुआत पर काफी खुशी महसूस हो रही है।

बादशाह-नोरा के गानों पर हुए विवाद

बादशाह और नोरा फतेही, दोनों के लिए पिछला कुछ वक्त मुश्किल से भरा था। दोनों आर्टिस्ट्स के गानों पर लोगों ने सवाल खड़े किए थे। बादशाह अपनी जिंदगी में चल रहीं कॉन्ट्रोवर्सी से काफी दुखी भी हुए थे। उन्होंने एक इमोशनल नोट डालकर अपना दर्द बयां किया था। साथ ही ये भी वादा किया कि वो जल्द वापसी करेंगे। वहीं नोरा ने भी अपने गाने सरके चुनर सरके पर सफाई दी थी। उनका कहना था कि इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। बल्कि एक्ट्रेस ने अपने गाने पर लगे बैन का समर्थन किया था। उन्होंने अपने ही गाने को सोशल मीडिया पर प्रमोट भी नहीं किया था। अब नोरा और बादशाह का साथ नया गाना आया है। देखना दिलचस्प रहेगा कि इसे बाद में चलकर ऑडियंस से कैसा रिस्पॉन्स मिलेगा।

कसूर से मिली फिल्म इंडस्ट्री में पहचान, कैंसर से जीती जंग, 'आफरीन' गर्ल की कहानी

मुंबई । अभिनेत्री और मॉडल लीजा रे की कहानी सिर्फ सफलता की नहीं, बल्कि हौसले, संघर्ष और जिंदगी से कभी हार न मानने की मिसाल भी है। कनाडा की इस खूबसूरत एक्ट्रेस ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई, घातक कैंसर को हराया और सरोगेसी के जरिए दो प्यारी जुड़वा बेटियों की मां बनीं। लीजा रे का जन्म कनाडा के टोरंटो में हुआ था। मात्र 16 साल की उम्र में उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया। साल 1996 में नुसरत फतेह अली खान के मशहूर गाने आफरीन-आफरीन में उन्होंने पहली बार स्क्रीन पर धमाल मचाया। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म नेताजी से अभिनय की शुरुआत की। साल 2001 उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ जब उन्होंने आफताब शिवदासानी के साथ हिंदी फिल्म कसूर से बॉलीवुड एंट्री की। इस थ्रिलर फिल्म में उनकी एक्टिंग और खूबसूरती दोनों को खूब सराहा गया।

गानों में भी वे काफी प्रभावशाली नजर आईं। इसके बाद साल 2004 में दीपा मेहता की फिल्म वॉटर आई, जो ऑस्कर के लिए नामांकित हुई। इस फिल्म ने लीजा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग स्किल्स को नई ऊंचाई दी।

लीजा रे की जिंदगी आसान नहीं रही। साल 2009 में उन्हें मल्टीपल मायलोमा नामक ब्लड कैंसर का पता चला। यह बीमारी बहुत खतरनाक होती है और ज्यादातर लोग इससे हार मान लेते हैं। लेकिन लीजा ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने इलाज कराया और साल 2010 में स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कराकर इस बीमारी पर जीत हासिल की। कैंसर से उबरने के बाद भी वे दवाइयों पर निर्भर रहीं, लेकिन अपनी जिंदगी को नई दिशा देने में लगी रहीं।

मेट्रो बाजार

पीएनजी कनेक्शन में तेजी, 3.42 लाख नए कनेक्शन गैसीफाइड

नई दिल्ली । पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के विस्तार में तेजी आई है। मार्च 2026 से अब तक 3.42 लाख नए पीएनजी कनेक्शन गैसीफाइड किए जा चुके हैं, जबकि 3.7 लाख नए रजिस्ट्रेशन भी दर्ज किए गए हैं। मंत्रालय ने राज्यों को घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए नए पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने में सहयोग करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे घबराहट में ईंधन की खरीद या एलपीजी की अनावश्यक बुकिंग न करें। एलपीजी सिलेंडर बुक करने के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने और बिना जरूरत गैस एजेंसी पर न जाने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने घरों से पीएनजी, इंडक्शन और इलेक्ट्रिक कुकटॉप जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की है। साथ ही वर्तमान परिस्थितियों में ऊर्जा की बचत पर भी जोर दिया गया है। सरकार ने लोगों को अफवाहों से सावधान रहने और केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करने की सलाह दी है। ईरान युद्ध के कारण आपूर्ति में आई चुनौतियों के बीच सरकार ने घरेलू एलपीजी और पीएनजी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, जबकि अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को भी उच्च प्राथमिकता दी जा रही है। आपूर्ति और मांग दोनों पक्षों पर कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें रिफाइनरी उत्पादन बढ़ाना, शहरी क्षेत्रों में एलपीजी बुकिंग अंतराल 21 से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन तक करना शामिल है।

नए लेबर कोड के तहत अब कुछ कर्मचारियों को 1 साल के बाद भी मिलेगा ग्रेच्युटी का अधिकार

नई दिल्ली । नए लेबर कोड के तहत ग्रेच्युटी के नियमों में बड़ा बदलाव किया गया है। अब कुछ योग्य कर्मचारियों को सिर्फ एक साल की लगातार सेवा के बाद भी ग्रेच्युटी पाने का अधिकार मिल सकता है, जबकि पहले इसके लिए 5 साल तक नौकरी करना जरूरी था। नवंबर 2025 से लागू हुए इन नए श्रम कानूनों के अनुसार, फिक्स्ड-टर्म और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को आनुपातिक आधार पर ग्रेच्युटी पहले से मिलने लगेगी। हालांकि एनडीटीवी प्रॉफिट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्थायी (परमानेंट) कर्मचारियों के लिए अभी भी 5 साल की सेवा पूरी करनी जरूरी है, लेकिन मृत्यु या दिव्यांगता के मामलों में छूट दी गई है। फिक्स्ड-टर्म कर्मचारी वे होते हैं जिन्हें कंपनियां एक तय समय के लिए लिखित कॉन्ट्रैक्ट पर नियुक्त करती हैं, जो आमतौर पर एक या दो साल का हो सकता है। अब ऐसे कर्मचारियों की ग्रेच्युटी उनकी नौकरी की अवधि के अनुसार तय की जाएगी। इन नए नियमों से देश के औपचारिक (फॉर्मल) सेक्टर के लाखों कर्मचारियों को नौकरी के बाद मिलने वाले लाभों तक पहुंच आसान हो सकती है। नए लेबर कोड के मुताबिक, ग्रेच्युटी की गणना वेतन के आधार पर होगी, जो कर्मचारी के कुल सीटीसी (कॉस्ट-टू-कंपनी) का कम से कम 50 प्रतिशत होना चाहिए।

श्रम मंत्रालय के अनुसार, वेतन में बेसिक सैलरी, महंगाई भत्ता (डीए), रिटेनिंग अलाउंस और अन्य भत्ते शामिल होते हैं, जो कर्मचारी को दिए जाते हैं। जिन कर्मचारियों का पहले बेसिक वेतन कम था, उनके लिए अब ग्रेच्युटी की रकम में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। ग्रेच्युटी एक कानूनी रूप से अनिवार्य एकमुश्त (लंप-सम) भुगतान होता है, जो नियोक्ता अपने कर्मचारी को उसकी लंबी सेवा के सम्मान में देता है, आमतौर पर 5 साल की सेवा या रिटायरमेंट के बाद।

30 मीटर नीचे 'जल सुरंग'

» देश की सबसे लंबी पानी टनल से तीन जिलों की प्यास बुझेगी

कटनी। जमीन से करीब 30 मीटर नीचे बन रही देश की सबसे लंबी पानी की टनल मध्यप्रदेश के जल इतिहास में मील का पत्थर बनने जा रही है। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (एनवीडीए) द्वारा कटनी जिले के

स्लीमनाबाद में निर्मित 12 किलोमीटर लंबी यह सुरंग बरगी (जबलपुर) से नर्मदा जल को सीधे रीवा तक पहुंचाएगी। टनल पूर्ण होते ही जबलपुर, कटनी, सतना और रीवा चार जिलों की करीब 2 लाख 45 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई का लाभ मिलेगा।

यह परियोजना बरगी व्यपवर्तन योजना का अहम हिस्सा है। दायीं तट मुख्य नहर से नर्मदा का पानी प्राकृतिक ढाल यानी ग्रेविटी सिस्टम से आगे बढ़ेगा। खास बात यह है कि इसके लिए अतिरिक्त पंपिंग की जरूरत नहीं पड़ेगी। सतना और रीवा में बाणसागर परियोजना होने के बावजूद कम जलस्तर के कारण खेतों तक पानी पहुंचाने में परेशानी बनी रहती है। नर्मदा का ऊंचा जलस्तर इस समस्या का स्थायी समाधान बनेगा। फिलहाल जबलपुर जिले के सिहोरा सहित अन्य क्षेत्रों में इसी योजना से 60 हजार हेक्टेयर भूमि की सिंचाई हो रही है। 30 मीटर नीचे बन रही यह जल सुरंग केवल एक इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि महाकौशल और विंध्य क्षेत्र के किसानों के लिए नई उम्मीद और समृद्धि की राह है।

न्यूज विंडो

ओडिशा में भूकंप के झटकों से कांपी धरती, घरों से बाहर निकले लोग

कोरापुट। ओडिशा के कोरापुट जिले में शनिवार देर रात आए भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। रात करीब 11:30 बजे आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.4 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जयपुर के पास स्थित था। इसकी गहराई जमीन से लगभग 5 किलोमीटर थी। कम गहराई होने के कारण झटके ज्यादा स्पष्ट रूप से महसूस किए गए।इस बीच, भूकंप से जुड़ा एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें झटकों का असर साफ देखा जा सकता है। वीडियो में कुछ सेकंड के लिए सीसीटीवी कैमरा हिलता हुआ नजर आता है। जैसे ही कंपन महसूस होता है, लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकलते दिखते हैंभूकंप के झटके कोरापुट, जयपुर, लमटापुट, सुनाबेडा, बोरिगुमा, सेमिलिगुडा, नंदपुर, पोट्टांगी और दामनजोड़ी समेत कई इलाकों में महसूस किए गए। झटके कुछ ही सेकंड तक रहे, लेकिन अचानक आए इस कंपन से लोग सहम गए और एहतियात के तौर पर घरों से बाहर निकल आए।कम गहराई वाले भूकंप सतह के ज्यादा करीब होते हैं, इसलिए इनके झटके अधिक महसूस होते हैं, भले ही उनकी तीव्रता मध्यम ही क्यों न हो।

मैरिज हॉल में 80 लड़के-लड़की आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े , इनमें 31 नाबालिग

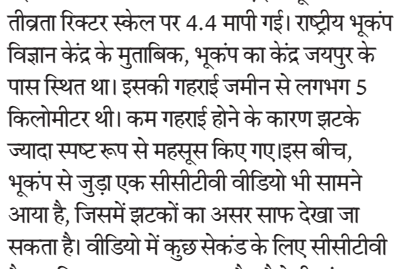

रोहतास। बिहार के रोहतास जिले में एक मैरिज हॉल से 80 लड़के-लड़कियां आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए हैं। पुलिस ने इस मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला दावथ थाना क्षेत्र का है। यहां मालियाबाग स्थित एक मैरिज हॉल में 39 महिलाएं और 41 पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए। रपुलिस ने सभी 39 महिलाओं और 41 पुरुषों को कोर्ट में पेश किया। बिक्रमगंज के एसडीएम प्रभात कुमार की सूचना पर दावथ थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।इस मामले में कुल 31 नाबालिग शामिल पाए गए हैं, जिनमें 18 लड़कियां और 13 लड़के हैं। नाबालिग लड़कियों के मामले को पॉक्सो एक्ट के तहत एडीजे-7 की अदालत में प्रस्तुत किया गया है। वहीं, नाबालिग लड़कों के मामले में 13 ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जहां वयस्क महिलाएं आपत्तिजनक स्थिति में मिलीं। एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह ने बताया कि सभी मामलों में अलग-अलग धाराओं के तहत पुलिस जांच कर रही है।

सिलिंडर न लाने पर पत्नी ने दी जान दुपट्टे से फंदा बनाकर लगाई फांसी

बिधूना (औरैया)। कोतवाली क्षेत्र के गांव ताजपुर में शनिवार को पति के सिलिंडर न लाने व अन्य विवाद के बाद पत्नी ने फंदे से लटक कर जान दे दी। परिजन पड़ोसियों की मदद से महिला को सीएचसी ले गए लेकिन डॉक्टर ने वहां मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। गांव ताजपुर निवासी मोहित कुमार की 26 वर्षीय पत्नी रीना देवी का घरेलू बातों को लेकर पति से विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि गैस सिलिंडर न ला पाने और जानवरों को चारा न डालने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद पति सब्जी लेने बाजार चला गया। इसके बाद नाराज होकर रीना पहली मंजिल पर चली गई और दुपट्टे से पंखे के कुंडे में फंदे से लटक कर जान दे दी।कुछ ही देर बाद जब पति ऊपर पहुंचा तो पत्नी को फंदे पर लटका देख उसके होश उड़ गए। परिजन पड़ोसियों की मदद से उसे नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां ड्यूटी डॉक्टर विकास मिश्रा ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। महिला के परिवार में डेढ़ वर्ष की एक बेटी मिष्टी है। पति मोहित पिकअप वाहन चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव: पार्टियां वोटर्स को लुभाने के लिए कर रहीं तरह-तरह के वादे

प्यासे वेल्लोर में सियासी जंग तेज रोजगार संकट बना बड़ा मुद्दा

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हैं। सभी राजनीतिक दल वोटर्स को लुभाने के लिए तरह-तरह के वादे कर रहे हैं। इस चुनावी हलचल के बीच गोल्डेन टेंपल, CMC वेल्लूर और VIT के लिए विश्व प्रसिद्ध वेल्लोर एक अलग ही तस्वीर पेश कर रहा है। बस स्टैंड से लेकर सड़कों तक राजनीतिक दलों के झंडे और प्रचार वाहन लोकतंत्र के उत्सव का संकेत दे रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में सुस्ती दिखती है।

वेल्लोर में DMK और AIADMK का मुकाबला

वेल्लूर में DMK और AIADMK के बीच सीधा मुकाबला है, जबकि TVK इसे त्रिकोणीय बनाने में जुटी है। राष्ट्रीय दलों की अनुपस्थिति में समीकरण स्पष्ट हैं। सूखी पालार नदी और रोजगार संकट चुनावी बहस के केंद्र में उभरते दिख रहे हैं। वेल्लोर में मुदलियार और वन्नीयर समुदाय का प्रभाव निर्णायक है, जबकि नायडू, गौंडर और चेट्टीयार भी अहम भूमिका निभाते हैं। यहां करीब 30 प्रतिशत मुस्लिम और 10 प्रतिशत ईसाई आबादी के साथ अनुसूचित जाति-जनजाति भी प्रभावी हैं। PMK के साथ AIADMK वन्नीयर ध्रुवीकरण पर भरोसा कर रही है, जबकि DMK पारंपरिक वोट बैंक और सोशल इंजीनियरिंग के सहारे मैदान में है।

सीटों पर उम्मीदवार और हाई प्रोफाइल मुकाबला: वेल्लूर जिले की 5 सीटों वेल्लूर, काटपाडी, अन्नैकट, केवीकुप्पम और गुडियात्तम पर मुकाबला रोचक है। काटपाडी सीट सबसे हाई प्रोफाइल है, जहां DMK के दुरै मुरुगन लगातार 13 बार जीत दर्ज कर चुके हैं। क्षेत्र में सड़कों, स्वास्थ्य और शिक्षा के विकास को लेकर उनकी पकड़ मजबूत दिखती है, जिससे विपक्ष के लिए चुनौती कठिन बनी हुई है।

23 अप्रैल को मतदान: तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों के लिए मतदान एक ही चरण में संपन्न होगा। तमिलनाडु की सभी सीटों के लिए 23 अप्रैल 2026 को मतदान होगा। इसके बाद मतगणना और परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

पानी का संकट भी बना चुनावी मुद्दा

वेलूर जिले के बंटवारे के बाद अधिकांश उद्योग तिरुपत्तूर और रानीपेट में चले गए, जिससे वेल्लोर में रोजगार संकट गहरा गया है। सूखी पालार नदी पेयजल समस्या को बढ़ा रही है। आम उत्पादन के बावजूद प्रसंस्करण इकाइयों की कमी से किसान परेशान हैं। दूध और गन्ने की खरीद दर बढ़ाने की मांग भी प्रमुख मुद्दों में शामिल है।

केरल में मतदान का नया अंदाज

वोटरों के लिए मुफ्त Uber, हलवा और आटे की सुविधा

तिरुवनंतपुरम। केरल में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में युवाओं की मतदान भागीदारी बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने अनोखी पहल की है। मुफ्त Uber राइड्स, हलवा और चावल का आटा (राइस फ्लोर) 1 रुपये में देने जैसी गतिविधियां युवाओं को मतदान बूथ तक लाने के लिए की जा रही हैं, ताकि वोटिंग को एक उत्सव जैसा अनुभव बनाया जा सके। चुनाव आयोग ने पहले बार वोट देने वाले युवाओं के लिए हर जिले में 200 विशेष ब्रांडेड हलवा पैकेट भेजे हैं। जिला चुनाव अधिकारियों के माध्यम से इन पैकेट्स का वितरण चयनित बूथों पर किया जाएगा। बूथ स्तर अधिकारी और स्वयंसेवक पहले बार वोट करने वालों की पहचान कर हलवा प्रदान करेंगे।

इंदौर से उज्जैन, भोपाल, खरगोन, रतलाम, धार-मांडू और महेश्वर के लिए शुरू होंगी इलेक्ट्रिक बसें

इंदौर। बीते दौर के मप्र परिवहन निगम (रोडवेज) की तर्ज पर एआइसीटीएस का विस्तार होगा। इंदौर में पहले सिटी बस से शुरुआत करने वाली कंपनी अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड (एआईसीटीएसएल) का विस्तार पूरे संभाग में होगा। यह कंपनी मध्य प्रदेश यात्री परिवहन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमपीवायपीआईएल) की सहायक कंपनी के रूप में काम करेगी। इसका पुनर्गठन करते हुए इंदौर संभाग में विस्तार किया जाएगा। एआईसीटीएसएल की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। एआईसीटीएसएल को नई इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा भी मिला। 26 नई इलेक्ट्रिक बसें जल्द शुरू होंगी। इनका संचालन इंदौर से जुड़े मालवा-निमाड़ के शहरों तक किया जाएगा। इसी के साथ बोर्ड बैठक में नए डिपो बनाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई।

वीसी के जरिए हुई बैठक: वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक की अध्यक्षता बोर्ड के अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश यात्री परिवहन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनीष सिंह ने की। बोर्ड बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर एवं कंपनी निदेशक शिवम वर्मा एवं संभाग के जिलों के कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में नगर निगम आयुक्त एवं कंपनी निदेशक क्षितिज सिंघल, स्मार्ट सिटी कंपनी के सीईओ अर्थ जैन, आइडीए बोर्ड के सीईओ एवं कंपनी निदेशक डॉ. परीक्षित झाड़े व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली पुलिस ने यूपी के कुशीनगर से ISIS के संदिग्ध को पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस की टीम ने ISIS के एक संदिग्ध को पकड़ा है। संदिग्ध को यूपी के कुशीनगर जिले से पकड़ा गया है। मिली जानकारी के मुताबिक पकड़े गए संदिग्ध का नाम रिजवान है, जिसकी मूवमेंट पर काफी समय से नजर रखी जा रही थी। इसके पास से काफी मात्रा में देश विरोधी सामान भी बरामद हुआ है।

वहीं इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए दिल्ली पुलिस की टीम ने कहा, 'दिल्ली पुलिस की खुफिया टीम ने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से रिजवान नाम के एक आईएसआईएस संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। उसकी गतिविधियों पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। उसे पहले मुंबई में भी गिरफ्तार किया गया था और उसके पास से भारी मात्रा में राष्ट्रविरोधी सामग्री बरामद की गई थी। '

बता दें कि एक अन्य मामले में हाल ही यूपी एटीएस ने चार आरोपियों को पाकिस्तानी हैंडलर्स के निर्देश पर दहशत फैलाने की गतिविधियों में गिरफ्तार किया है। एटीएस ने इन सभी की पांच दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड हासिल किया है। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि एटीएस ने देश के प्रतिष्ठित संस्थानों, वाहनों और रेलवे सिग्नल बॉक्स में आगजनी जैसी राष्ट्रविरोधी साजिश रचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 7 स्मार्टफोन बरामद किए गए हैं।

चोरी करते पकड़े गए तीन युवकों को भीड़ ने दी तालिबानी सजा, खंबे से बांधकर क्रूरता से पीटा

मलकानगिरी, एजेंसी

ओडिशा के मलकानगिरी जिला से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां चोरी करते पकड़े गए युवकों के साथ भीड़ ने कानून अपने हाथ में ले लिया।

यह मामला कालीमेला थाना क्षेत्र के कुंभीगुड़ा गांव का है। जानकारी के मुताबिक, तीन युवक एक घर में चोरी करने पहुंचे थे। उसी दौरान स्थानीय लोगों ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से करीब 40 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किया गया।

इसके बाद गांव वालों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने युवकों को बिजली के खंभे से बांध दिया। फिर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। लात-घूंसे और डंडों से

पीटने का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक रहम की गुहार लगाते नजर आ रहे हैं, लेकिन भीड़ पर इसका कोई असर नहीं पड़ा।

इस पूरे मामले पर मलकानगिरी के अतिरिक्त एसपी आर.के. दास ने बताया कि पकड़े गए युवक चोरी की घटना में शामिल थे और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं, भीड़ द्वारा की गई हिंसा को भी गंभीरता से लिया गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को भीड़ से छुड़ाया। इसके बाद स्थानीय लोगों की शिकायत के आधार पर युवकों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया।

हालांकि, शुरुआत में स्थानीय लोगों ने मारपीट की जानकारी पुलिस को नहीं दी थी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तब पुलिस ने खुद संज्ञान लिया और कार्रवाई शुरू की। जांच के बाद पुलिस ने उन लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है, जिन्होंने युवकों को खंभे से बांधकर पीटा था। इस मामले में 8 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

मेट्रो एंकर इस साल 19 अप्रैल से शुरू हो रही यात्रा, सभी तैयारियां लगभग पूरी

चारधाम यात्रा: गैर सनातनी, फोटो और रील बनाना बैन

देहरादून, एजेंसी

इस साल 19 अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू हो रही है। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का कहना है कि यात्रा की सभी तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि चारधाम में गैर सनातनियों के प्रवेश पर सख्ती के साथ प्रतिबंध लागू कराया जाएगा। मोबाइल, कैमरों से फोटो, वीडियो और रील बनाने पर भी प्रतिबंध रहेगा।

बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर सभी तैयारियां हो गई हैं। सारी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। श्रद्धालुओं के दर्शनों को सुलभ बनाने के लिए वीडियो रील बनाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। अब मंदिर परिसरों के 70 मीटर के दायरे में फोन ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा।

मंदिर की गरिमा के मद्देनजर कड़े फैसले

यह निर्णय मंदिर की गरिमा एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखकर लिया गया है। गैर सनातनियों के प्रवेश पर प्रतिबंध को लेकर सख्ती बरती जाएगी। उनके अनुसार, अभी तक चारधाम में 11,68,644 पंजीकरण हो चुके हैं।

वेबसाइट से पूजा की बुकिंग जल्द

बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने यह भी जानकारी दी कि विभागीय वेबसाइट से जल्द ही पूजा की बुकिंग शुरू कर दी जाएगी। इससे श्रद्धालु घर बैठे ही अपनी पूजा की व्यवस्था सुनिश्चित कर सकेंगे। वहीं, श्रद्धालुओं के लिए विश्राम गृहों में बेहतर सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस बार दर्शन व्यवस्था को अधिक सरल और सुगम बनाया जाएगा।

गैर सनातनी का मामला क्यों गर्माया: इस साल चारधाम यात्रा में गैर सनातनियों की एंट्री बैन को लेकर मामला तब गर्माया, जब बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी से सारा अली खान को लेकर सवाल किया गया था। सारा अली खान बॉलीवुड अभिनेत्री हैं और लगातार बाबा केदार के धामों की यात्रा के लिए उत्तराखंड आती रहती हैं।

गंगोत्री मंदिर दर्शन का समय बदला सुबह छह से शाम चार बजे तक खुलेंगे

उत्तरकाशी। गंगोत्री मंदिर समिति की ओर से धाम में मुख्य मंदिर के दर्शन के लिए समय में बदलाव किया गया है। समिति के अनुसार अब श्रद्धालु सुबह छह बजे से शम चार बजे तक मां गंगा के दर्शन कर पाएंगे। उसके बाद सायंकालीन आरती के लिए मंदिर के कपाट खुलेंगे। जोकि पौने आठ बजे होगी। फिर रात्रि दस बजे तक श्रद्धालु दर्शन कर पाएंगे। गंगोत्री धर्मशाला में गंगोत्री मंदिर समिति सहित तीर्थ पुरोहितों की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें आय व्यय के साथ ही इस वर्ष के मुख्य मंदिर में पुजारी और अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564